सांध्य दैनिक

श्रीकंचनपथ

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./दुर्ग/1000000029/2026-28

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 17 अंक - 224 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, गुरूवार 28 मई 2026 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास-खबर

वीर सावरकर की जयंती पर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने किया नमन

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने महान क्रांतिकारी, प्रखर राष्ट्रवादी चिंतक एवं स्वातंत्र्य वीर विनायक दामोदर सावरकर जी की जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कोटि-कोटि नमन किया है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि भारत की स्वाधीनता के लिए अपना सर्वस्व समर्पित करने वाले वीर सावरकर जी का जीवन अदम्य साहस, त्याग, राष्ट्रनिष्ठा और अटूट संकल्प की अमर गाथा है। विपरीत परिस्थितियों में भी राष्ट्रहित के प्रति उनकी अटूट प्रतिबद्धता आने वाली पीढ़ियों को निरंतर प्रेरित करती रहेगी। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि राष्ट्र प्रथम का उनका विचार प्रत्येक भारतवासी को देशहित को सर्वोपरि रखते हुए समर्पण, कर्तव्यनिष्ठा और राष्ट्रसेवा के भाव से कार्य करने की प्रेरणा देता है। उनका जीवन राष्ट्र के प्रति समर्पण, साहस और आत्मबल का अद्वितीय उदाहरण है। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि वीर सावरकर का संघर्षपूर्ण और प्रेरणादायी जीवन देशवासियों के लिए सदैव प्रेरणा का स्रोत बना रहेगा।

रेणु सिन्हा संभालेंगी थाईलैंड एशियाई वालीबाल चैंपियनशिप की कमान

रायपुर। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर की रेणु पारीक सिन्हा को आगामी एशियाई अंडर-18 गर्ल्स वालीबाल चैंपियनशिप के लिए भारतीय टीम का कोच नियुक्त किया गया है। सिन्हा भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) रायपुर में असिस्टेंट वालीबाल कोच के रूप में पदस्थ हैं। इस चैंपियनशिप का आयोजन एक जुलाई से सात जुलाई 2026 तक थाईलैंड के नाखोन रत्चासिमा सिटी में होगा। इस अंतरराष्ट्रीय स्पर्धा में एशिया की मजबूत टीमें भाग लेंगी। रेणु सिन्हा की कोचिंग, अनुशासन और खिलाड़ियों को तकनीकी रूप से मजबूत बनाने की क्षमता को देखते हुए भारतीय टीम के कोच पद की जिम्मेदारी दी गई है। खेल एक्सपर्ट का मानना है उनके अनुभव और रणनीति का लाभ भारतीय टीम को जरूर मिलेगा। उन्होंने कई होनहार खिलाड़ियों को नेशनल लेवल तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई है। इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में एशिया के सभी प्रमुख देशों की टीमें शिरकत करेंगी। सिन्हा लंबे समय से रायपुर साई सेंटर में खिलाड़ियों को तराशने का काम कर रही हैं।

बलौदाबाजार हिंसा केस... अमित बघेल समेत 3 की जमानत खारिज

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट के जस्टिस एनके व्यास ने बलौदाबाजार हिंसा केस में कहा कि आरोपियों ने 7 से 8 हजार लोगों की भीड़ को भड़काकर 13 से 14 करोड़ रुपए की सरकारी और निजी संपत्ति को नुकसान पहुंचाया। पुलिसकर्मियों पर जानलेवा हमला भी कराया गया। कोर्ट ने कहा कि समाज में कानून व्यवस्था को पूरी तरह बिगाड़ने वाले ऐसे गंभीर अपराध में आरोपियों को जमानत नहीं दिया जा सकता। इसी के साथ हाईकोर्ट ने बवाल, पथराव और कलेक्ट्रेट परिसर में आगजनी के मामले में छत्तीसगढ़ क्रांति सेना के संस्थापक अमित बघेल समेत तीन आरोपियों की जमानत याचिकाएं खारिज कर दी है।

नौतपा में तप रहा छत्तीसगढ़, कहीं हीटवेव का सितम तो कहीं आंधी-बारिश ने बदला मौसम

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में नौतपा के दौरान भीषण गर्मी ने लोगों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। प्रदेश के कई जिलों में तापमान 45 डिग्री के आसपास पहुंच गया है, जिससे दोपहर के समय सड़कें सूनी नजर आ रही हैं। गर्म हवाओं और उमस ने लोगों को घरों में रहने पर मजबूर कर दिया है।

बुधवार को हालांकि कुछ इलाकों में मौसम ने अचानक करवट ली। राजधानी रायपुर सहित कई जगहों पर तेज आंधी और हल्की बारिश हुई, जबकि कुछ क्षेत्रों में ओले गिरने की भी खबर है। कई स्थानों पर सिर्फ बूंदाबांदी हुई, लेकिन गर्मी से खास राहत नहीं मिल सकी। मौसम विभाग के मुताबिक बंगाल की खाड़ी से आ रही नमी और एक चक्रवाती परिसंचरण के प्रभाव से मौसम में यह बदलाव देखा गया।

छत्तीसगढ़ में दुर्ग का तापमान रहा सबसे ज्यादा

इसके चलते तापमान में हल्की गिरावट दर्ज की गई है, लेकिन अगले दो दिनों तक प्रदेश में गर्मी का असर बना रहने की संभावना है। प्रदेश में बुधवार को सबसे ज्यादा तापमान दुर्ग में 45.5 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। इसके अलावा कबीरधाम में 44 डिग्री, बेमेतरा में 43.8 डिग्री, जांजगीर-चांपा में 43.7 डिग्री और रायपुर में 43.6 डिग्री तापमान दर्ज हुआ।मौसम विभाग ने रायपुर में गुरुवार को भी हीटवेव की स्थिति बने रहने की चेतावनी दी है। राजधानी में अधिकतम तापमान 45 डिग्री और न्यूनतम तापमान 29 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने का अनुमान है। हालांकि इसके बाद तापमान में 2 से 4 डिग्री तक गिरावट आने की संभावना जताई गई है।

इसरो को बड़ी सफलता: चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर सतह के नीचे मिले बर्फ के संकेत

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन के चंद्रयान-2 ऑर्बिटर से मिले डेटा के आधार पर की गई खोज

श्रीहरिकोटा। भारत के चंद्र मिशन चंद्रयान-2 ने चंद्रमा को लेकर एक बड़ी वैज्ञानिक खोज की है। वैज्ञानिकों को चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव के पास मौजूद कुछ गहरे क्रेटरों के नीचे पानी की बर्फ होने के मजबूत संकेत मिले हैं। यह खोज भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन के चंद्रयान-2 ऑर्बिटर से मिले डेटा के आधार पर की गई है।

यह अध्ययन अहमदाबाद की फिजिकल रिसर्च लेबोरेटरी के वैज्ञानिकों ने किया। उन्होंने चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर मौजूद उन क्रेटरों का अध्ययन किया, जहां कभी सूरज की रोशनी नहीं पहुंचती। इन जगहों को परमानेंटली शैडोड रीजन यानी हमेशा छाया में रहने वाला क्षेत्र कहा जाता है। यहां तापमान माइनस 248 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच जाता है, जिससे बर्फ लंबे समय तक सुरक्षित रह सकती है।

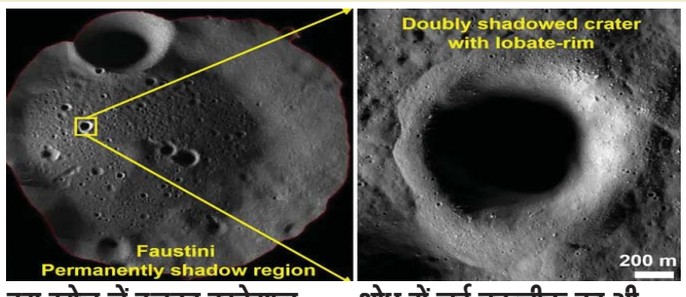

इस खोज नें इनका इस्तेमाल किया गया

इस खोज में चंद्रयान-2 के ऑर्बिटर में लगे ड्यूल फ्रीक्वेंसी सिंथेटिक अपर्चर रडार का इस्तेमाल किया गया। यह खास रडार चंद्रमा की सतह और उसके नीचे की परतों का अध्ययन करने में सक्षम है। वैज्ञानिकों ने रडार से मिले संकेतों का विश्लेषण कर चार ऐसे क्रेटरों की पहचान की, जहां सतह के नीचे बर्फ होने की संभावना सबसे ज्यादा है।

शोध में नई तकनीक का भी हुआ इस्तेमाल

शोध के दौरान वैज्ञानिकों ने एक नई तकनीक का इस्तेमाल किया, जिससे यह पता लगाने में मदद मिली कि रडार संकेत चट्टानों से आ रहे हैं या बर्फ से। इसके लिए वृत्ताकार ध्रुवीकरण अनुपात (सीपीआर) और ध्रुवीकरण की डिग्री (डीओपी) नाम के दो पैरामीटर का इस्तेमाल किया गया।

वैज्ञानिकों ने दी जानकारी

वैज्ञानिकों के मुताबिक, फॉस्टिनी क्रेटर के अंदर मौजूद करीब 1.1 किलोमीटर चौड़ा एक छोटा क्रेटर सबसे मजबूत दावेदार के रूप में सामने आया है। यहां ऐसे संकेत मिले हैं जो सतह के नीचे बर्फ होने की ओर इशारा करते हैं।

क्या मिल रहे पानी के संकेत?

चंद्रमा पर पानी की मौजूदगी भविष्य के अंतरिक्ष अभियानों के लिए बेहद अहम मानी जा रही है। वैज्ञानिकों का कहना है कि इस पानी का इस्तेमाल पीने के लिए, ऑक्सीजन बनाने और रॉकेट ईंधन तैयार करने में किया जा सकता है। इससे भविष्य में चंद्रमा पर लंबे समय तक मानव मिशन चलाने में मदद मिलेगी। हाल के वर्षों में चंद्रमा का दक्षिणी ध्रुव दुनियाभर के अंतरिक्ष मिशनों के लिए खास आकर्षण का केंद्र बना हुआ है।

नवा रायपुर को मिलेगी नई रेलवे लाइन: जमीन लेने की प्रक्रिया शुरू

दावा आपत्ति के लिए 30 दिन का समय

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। रायपुर को नई रेलवे कनेक्टिविटी देने की दिशा में बड़ा कदम उठाया गया है। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे ने नवा रायपुर-खरसिया-परमालकसा नई रेल लाइन परियोजना के लिए रायपुर जिले में आने वाली जमीनों की सूची जारी कर दी है। इसके साथ ही जमीन लेने की शुरुआती प्रक्रिया भी शुरू हो गई है।

रेलवे ने प्रभावित जमीन मालिकों को दावा और आपत्ति दर्ज कराने के लिए 30 दिन का समय दिया है। इस नई रेल लाइन के बनने से नवा रायपुर की रायगढ़, राजनांदगांव और दूसरे इंडस्ट्रियल एरिया से सीधी रेल कनेक्टिविटी मजबूत होगी।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे बिलासपुर के मुख्य प्रशासनिक अधिकारी मुदित भटनागर के मुताबिक, पूरी परियोजना करीब 154 हेक्टेयर क्षेत्र में फैली हुई है। पहले चरण में रायपुर जिले के अंदर करीब 12.95 हेक्टेयर जमीन ली जाएगी।

रेलवे की ओर से जारी नोटिफिकेशन में मंदिर हसौद इलाके के धमनी, गुजरा, गनौद, रींवा, टेकारी, नारा, डिघारी और खौली समेत कई गांवों को शामिल किया गया है। इन गांवों के प्रभावित जमीन मालिकों से तय समय के भीतर दावा और आपत्ति देने को कहा गया है।

तेंदूपत्ता गोदाम आग मामले में हटाए गए डीएफओ

श्रीकंचनपथ न्यूज

बीजापुर। जिले के ईटपाल स्थित अताउर्रहमान के निजी तेंदूपत्ता गोदाम में सोमवार को भीषण आग लग गई। इस घटना में लगभग 18 हजार मानक बोरा तेंदूपत्ता जल गया। इससे करीब 10 करोड़ रुपये के नुकसान का अनुमान है। इस मामले में वन विभाग ने त्वरित कार्रवाई की है। डीएफओ रमेश कुमार जांगड़े को पद से हटाकर मुख्यालय अटैच कर दिया गया है। उनकी जगह आईएफएस जादव सागर रामचंद्र को बीजापुर का नया वनमंडलाधिकारी बनाया गया है।

तेंदूपत्ता के सुरक्षित भंडारण के लिए कई अधिकारियों की ड्यूटी लगाई गई थी। इनमें वन परिक्षेत्र अधिकारी दीक्षा बर्मन और सुभांश मांझी शामिल थे। गोदाम प्रभारी दीनानाथ गोसाई और उपवन क्षेत्रपाल डमरू धर बघेल भी तैनात थे। इन सभी को गोदाम की सुरक्षा, रखरखाव और आग से बचाव के इंतजाम सुनिश्चित करने थे। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि केवल डीएफओ पर कार्रवाई कर विभाग अन्य जिम्मेदारों को बचा रहा है। मौके की सुरक्षा और गोदाम संचालन से जुड़े कर्मचारियों की जवाबदेही अब तक तय नहीं हुई है। नागरिकों ने पूरे मामले की उच्चस्तरीय और निष्पक्ष जांच की मांग की है। वे चाहते हैं कि वास्तविक जिम्मेदारों की पहचान कर उन पर भी कार्रवाई हो। निरीक्षणकर्ता अधिकारियों की भूमिका पर अभी भी सस्पेंस बना हुआ है।

रेत के अवैध उत्खनन पर प्रशासन की बड़ी कार्रवाई

चैन माउंटेड मशीन जब्त, अवैध खनन पर लगातार सख्ती

रायपुर। कलेक्टर चंदन संजय त्रिपाठी के निर्देशन में खनिज विभाग द्वारा जिलेभर में विशेष अभियान चलाकर अवैध गतिविधियों पर निगरानी रखी जा रही है। इसी क्रम में विकासखंड रामचंद्रपुर के ग्राम पंचायत धौली लिबरा स्थित रेत खदान का औचक निरीक्षण किया गया, जहां कन्हर नदी किनारे नियम विरुद्ध रेत उत्खनन में संलिप्त एक चौन माउंटेड मशीन को जब्त किया गया।

खनिज अधिकारी राहुल गुलाटी ने बताया कि रामचंद्रपुर विकासखंड अंतर्गत ग्राम पचावल स्थित पांगन नदी में वर्तमान में तीन रेत खदानें स्वीकृत एवं संचालित हैं। विभिन्न माध्यमों से प्राप्त शिकायतों के आधार पर निरीक्षण के दौरान नदी किनारे पोकलेन मशीन से अवैध उत्खनन किए जाने की पुष्टि हुई, जिसके बाद मशीन को तत्काल जब्त कर नियमानुसार कार्रवाई की गई। उन्होंने बताया कि इससे पूर्व भी ग्राम पचावल क्षेत्र में अवैध खनन एवं परिवहन के मामलों में कार्रवाई की जा चुकी है। अवैध रेत भंडारण के मामले में एक जेसीबी और हाइवा वाहन जब्त कर 42 हजार 850 रुपये की वसूली की गई।

नीले ड्रम में मिली लड़की की लाश: प्रेम संबंधों में हत्या

पटियाला। पंजाब के पटियाला रेलवे कॉलोनी इलाके में मंगलवार सुबह उस समय सनसनी फैल गई जब डीसीडब्ल्यू पुल के पास कूड़े के ढेर में पड़े नीले ड्रम से एक युवती का शव बरामद हुआ। पुलिस ने मृतका की पहचान 20 वर्षीय नेहा पुत्री संत लाल निवासी गोपाल कॉलोनी के रूप में की है।

नेहा मूल रूप से उत्तर प्रदेश के जौनपुर जिले की रहने वाली थी और पिछले कुछ समय से परिवार के साथ पटियाला में रह रही थी। पुलिस को आशंका है कि प्रेम संबंधों के चलते युवती की हत्या की गई है। मामले में थाना अर्बन एस्टेट में अज्ञात लोगों के खिलाफ हत्या और शव को खुर्द-बुर्द करने की धाराओं के तहत केस दर्ज किया गया है।

जानकारी के अनुसार, नेहा सोमवार से घर से लापता थी। परिवार ने उसके गायब होने की सूचना संबंधित थाने में भी दी थी। मंगलवार सुबह पुलिस को सूचना मिली कि रेलवे कॉलोनी के पास कूड़े के ढेर में एक नीले रंग का ड्रम पड़ा है जिससे बदबू आ रही है। सूचना मिलते ही थाना अर्बन एस्टेट की पुलिस मौके पर पहुंची और ड्रम खोलने पर अंदर युवती का शव मिला। ड्रम प्लास्टिक का था और उसका ढक्कन लाल रंग का था।

छत्तीसगढ़ में दिखी ईद-उल-अजहा, ईदगाहों में पढ़ी गई नमाज

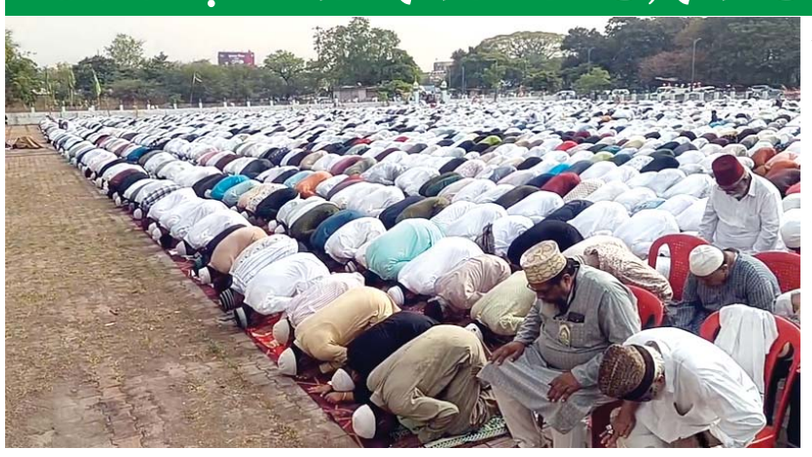

भिलाई। गुरूवार को देशभर में ईद-उल-अजहा यानी बकरीद मनाई जा रही है। दुर्ग भिलाई, राजधानी रायपुर की बड़ी ईदगाह में नमाज अदा की गई। रायगढ़ के घड़ी चौक स्थित कदमी ईदगाह में लोगों ने गले मिलकर एक-दूसरे को मुबारकबाद दी। त्योहार के दौरान कानून व्यवस्था, सामाजिक सौहार्द और स्वच्छता बनाए रखने के लिए वक्फ बोर्ड ने राज्यभर में सख्त गाइडलाइन जारी की है। छत्तीसगढ़ वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष डॉ. सलीम राज ने कहा कि, पिछले साल से ही नमाज शिफ्ट में अदा की जा रही है। उन्होंने यह भी कहा कि नियम तोड़ने पर 50 हजार रुपए तक का जुर्माना लगाया जा सकता है।

सड़क पर मिला 30 लाख का खजाना: पत्रकार ने लौटाया, सोना-चांदी, कैश देख पुलिस भी रह गई दंग

श्रीकंचनपथ न्यूज

बेमेतरा। के दौर में जहां लोग छोटी-छोटी रकम के लिए भी ईमान बेच देते हैं, वहीं बेमेतरा के वरिष्ठ पत्रकार आनंद प्रकाश साहू ने ईमानदारी की ऐसी मिसाल पेश की, जिसकी पूरे जिले में चर्चा हो रही है। बुधवार तड़के करीब 4:30 बजे उन्हें शहर के सिग्नल चौक स्थित पुराने बस स्टैंड के पास मुख्य सड़क पर एक लावारिस बैग पड़ा मिला। बैग खोलकर देखा गया तो उसमें करीब 30 लाख रुपए के सोना-चांदी के जेवर और 37 हजार रुपए नकद थे। लेकिन इतनी बड़ी रकम देखकर भी आनंद प्रकाश साहू का मन नहीं डोला। उन्होंने बिना देर किए बैग सीधे पुलिस के सुपुर्द कर दिया।

पुलिस ने जब बैग की जांच की तो उसमें भारी मात्रा में सोने-चांदी के आभूषण और नगदी मिली। मामले की जानकारी तत्काल वरिष्ठ अधिकारियों तक पहुंचाई गई। डीआईजी रामकृष्ण साहू ने बैग के असली मालिक का पता लगाकर सामान सुरक्षित लौटाने के निर्देश दिए। इसके बाद अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक हरीश कुमार यादव और एसडीओपी भुषण एक्का के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी सोनल ग्वाला और उनकी टीम ने तेजी से जांच शुरू की। कुछ ही घंटों में पुलिस ने बैग के मालिक विजय कुमार सोनी को खोज निकाला। जब विजय कुमार सोनी को उनका लाखों रुपए का सामान वापस मिला तो उनकी खुशी का ठिकाना नहीं रहा। उन्होंने पत्रकार आनंद प्रकाश साहू और बेमेतरा पुलिस का आभार जताया।

श्रमिकों के बच्चों के लिए ईएसआईसी मेडिकल कॉलेजों में 700 सीटें आरक्षित

- ऑनलाइन आवेदन करने की अंतिम तिथि 21 जून 2026 तक
- श्रम विभाग ने पात्र छात्रों से की आवेदन की अपील

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ के संगठित क्षेत्र में काम करने वाले बीमित श्रमिकों के बच्चों के लिए मेडिकल शिक्षा (MBBS/ BDS) के क्षेत्र में करियर बनाने का एक बड़ा और सुनहरा अवसर सामने आया है। भारत सरकार के श्रम एवं रोजगार मंत्रालय के अंतर्गत आने वाले कर्मचारी राज्य बीमा निगम (ESIC) ने देशभर के अपने 20 प्रतिष्ठित मेडिकल कॉलेजों में बीमित श्रमिकों के बच्चों के लिए 700 सीटें आरक्षित की हैं। ऑनलाइन आवेदन करने की अंतिम तिथि 31 मई थी , जिसे बढ़ाकर 21 जून 2026 तक निर्धारित की गई है।

नीट यूजी के माध्यम से पात्रों को मिलेगा प्रवेश

श्रमायुक्त कार्यालय से प्राप्त आधिकारिक जानकारी के अनुसार, इन आरक्षित सीटों पर योग्य उम्मीदवारों का चयन नीट यूजी परीक्षा के माध्यम से किया जाएगा। इसके लिए ऑनलाइन आवेदन करने की अंतिम तिथि 21 जून 2026 निर्धारित की गई है। जो भी विद्यार्थी इस पात्रता के दायरे में आते हैं, वे बिना देरी किए कर्मचारी राज्य बीमा निगम की आधिकारिक वेबसाइट ESIC Official Website पर जाकर अपना आवेदन जमा कर सकते हैं।

योजना का मुख्य उद्देश्य

श्रम विभाग के अधिकारियों ने बताया कि इस विशेष आरक्षण नीति का मुख्य उद्देश्य संगठित क्षेत्र के श्रमिक परिवारों के प्रतिभावान बच्चों को उच्च और गुणवत्तापूर्ण मेडिकल शिक्षा के बेहतर अवसर देना है। इससे आर्थिक रूप से कमजोर या सामान्य पृष्ठभूमि से आने वाले छात्र भी बिना किसी वित्तीय बाधा के डॉक्टर बनने का अपना सपना पूरा कर सकेंगे।

टोल फ्री हेल्पलाइन नंबर जारी

किसी भी प्रकार की शंका या विस्तृत जानकारी के लिए विद्यार्थी और अभिभावक टोल फ्री नंबर 1800-11-2526 पर संपर्क कर सकते हैं। इसके अलावा नजदीकी ESIC शाखा या राज्य स्तरीय क्षेत्रीय कार्यालय से भी मार्गदर्शन लिया जा सकता है। श्रमायुक्त कार्यालय ने प्रदेश के सभी श्रमिक साथियों से विशेष अपील की है कि वे समय रहते इस महत्वाकांक्षी योजना की जानकारी अपने योग्य बच्चों तक पहुंचाएं और अंतिम तिथि से पहले आवेदन करवा इस सुनहरे अवसर का लाभ उठाएं।

संपादकीय

मूल्यांकन पर आंच

प्राथमिकता से प्रणालीगत सुधार करे सीबीएसई

अभी नीट प्रवेश परीक्षा में प्रश्न पत्रों के लीक होने और परीक्षा रद्द होने की सुर्खियों की स्याही सूखी भी न थी कि केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड यानी सीबीएसई की मूल्यांकन प्रणाली सवालों के घेरे में आ गई। निश्चय ही ये घटनाक्रम छात्रों और प्रतियोगियों के परीक्षा व्यवस्था पर भरोसे को कम ही कर रहे हैं। आपदा में अवसर की तलाश में रहने वाले राजनीतिक दलों को छोड़ भी दें, तो भी आम लोग भी सीबीएसई की मूल्यांकन पद्धति पर सवाल उठा रहे हैं। दरअसल, सीबीएसई की ऑन-स्क्रीन मार्किंग यानी ओएसएम प्रणाली में खामियों और विसंगतियों को लेकर शिकायतें सामने आ रही हैं।

> भारत की उस शीर्ष परीक्षा प्रणाली की बढ़ती विफलता की चेतावनी है, जो लाखों छात्रों के भविष्य का निर्धारण करती है। इस घटनाक्रम में एक छात्र वेदांत श्रीवास्तव का मामला विशेष रूप से चिंताजनक है, क्योंकि सीबीएसई ने स्वयं स्वीकार किया है कि गलत उत्तर पुस्तिका भेजी गई थी। हालांकि, मामला तूल पकड़ता देख उसे बाद में सही उत्तर पुस्तिका भेज दी गई। इसी तरह एक अन्य परीक्षार्थी, संजना को भी सीबीएसई की तरफसे कमोबेश ऐसी ही प्रतिक्रिया मिली है।

कक्षा बारह के कुछ छात्रों ने पुनर्मूल्यांकन प्रक्रिया के तहत अपलोड की गई स्कैन प्रतियों और उनकी उत्तर पुस्तिकाओं में विसंगति सामने आने का खुलासा किया है। निश्चित रूप से यह प्रकरण महज एक तकनीकी समस्या से कहीं अधिक का मामला है। यह भारत की उस शीर्ष परीक्षा प्रणाली की बढ़ती विफलता की चेतावनी है, जो लाखों छात्रों के भविष्य का निर्धारण करती है। इस घटनाक्रम में एक छात्र वेदांत श्रीवास्तव का मामला विशेष रूप से चिंताजनक है, क्योंकि सीबीएसई ने स्वयं स्वीकार किया है कि गलत उत्तर पुस्तिका भेजी गई थी। हालांकि, मामला तूल पकड़ता देख उसे बाद में सही उत्तर पुस्तिका भेज दी गई। इसी तरह एक अन्य परीक्षार्थी, संजना को भी सीबीएसई की तरफ से कमोबेश ऐसी ही प्रतिक्रिया मिली है। भला हो सोशल मीडिया का जो इन मुद्दों को देश की जनता के सामने तुरंत ले आता है और देश में इससे एक जनमत बनाने का अवसर मिलता है। हालांकि, यह स्वागत योग्य है कि सीबीएसई ने इन प्रणालीगत त्रुटियों को स्वीकार तो किया। लेकिन जरूरत इस बात की है कि इस लापरवाही के लिये जिम्मेदार अधिकारियों व कर्मचारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। अन्यथा लापरवाही व गलती का यह सिलसिला यूं ही चलता रहेगा। सीबीएसई को अपनी साख बचाये रखने के लिये इस दिशा में समय रहते सख्त कार्रवाई करनी चाहिए।

यहां सवाल उठता है कि सीबीएसई जैसी परीक्षा नियामक संस्था ने अपने स्तर पर खामियों को दूर करने के लिये कारगर तंत्र क्यों विकसित नहीं किया। वह तब ही जागती है जब मीडिया में घटना सुर्खियां बनती है। सबसे बड़ी चिंता की बात यह है कि सीबीएसई ने तब कार्रवाई की और सुधारात्मक कदम उठाये, जब प्रभावित छात्रों ने इसके खिलाफ सोशल मीडिया पर अभियान चलाया। निश्चित रूप से एक निष्पक्ष और पारदर्शी परीक्षा प्रणाली में इतना लचीलापन होना चाहिए कि छात्रों के आक्रोश के सार्वजनिक होने, राजनीतिक टीका-टिप्पणी सामने आने या ऑनलाइन अभियान चलने से पहले समस्या का निराकरण हो जाए। हालिया घटनाक्रम का एक दुर्भाग्यपूर्ण पहलू यह भी है कि सीबीएसई की लापरवाही का शिकार बने वेदांत को अपनी बात उठाने पर बुरी तरह लांछित किया। कुछ सोशल मीडिया वीरों ने उसकी मुखरता से आवाज उठाने की कोशिश को देश विरोधी तक ही नहीं कहा, बल्कि कुछ ने तो उसे पाकिस्तानी तक कह दिया। यह तंत्र के बचाव में उतरने की अंधभक्ति ही है कि न्याय के लिये आवाज उठाने के लिये पीड़ित भारतीय नागरिक की विश्वसनीयता पर सवाल उठाने की असफल कोशिश हो। क्या न्याय के लिये आवाज उठाने वाले छात्रों को इसलिए अपमानित व प्रताड़ित होना चाहिए क्योंकि उसकी शिकायत सामने आने के बाद देश के नामचीन संगठनों को शर्मिंदगी उठानी पड़ी है? वास्तव में इन छात्रों के मामले में आई खामियों की व्यापक स्तर पर पड़ताल होनी चाहिए। यह भी विचार करना चाहिए कि कर्मचारियों को पर्याप्त प्रशिक्षण के बिना आनन-फानन में डिजिटलीकरण कराने से ही कहीं ऐसी खामियां तो सामने नहीं आ रही हैं? निश्चित रूप से इसका खमियाजा छात्रों को ही भुगतना पड़ता है और उनका भविष्य दांव पर लग जाता है। यह हकीकत है कि सीबीएसई का भूल सुधार करने का प्रयास कभी व्यवस्थागत सुधार का विकल्प नहीं हो सकता। बोर्ड को तत्काल ओएसएम प्रणाली और स्कैनिंग प्रक्रियाओं का स्वतंत्र ऑडिट कराना चाहिए। परीक्षा बोर्ड और परीक्षा आयोजित करने वाली एजेंसियां योग्यता और निष्पक्षता की संरक्षक मानी जाती हैं। सवालों से घिरी भारतीय शिक्षा प्रणाली तभी अपनी विश्वसनीयता बचा सकती है, जब वह बुनियादी प्रक्रियात्मक विश्वसनीयता की गारंटी देने का वायदा करे।

बुद्ध के मुख्य शिष्यों की पवित्र विरासत

विवेक अग्रवाल

बुद्ध के दो मुख्य शिष्यों - अरहंत सारिपुत्त और अरहंत महामोग्गल्लान - के पवित्र अवशेष 1 से 10 जून तक उलानबटोर के गंदन मठ में प्रदर्शनी के लिए भारतीय वायुसेना के एक विशेष विमान से मंगोलिया ले जाए जाएंगे।

दो सहस्राब्दियों से अधिक समय से, बौद्ध जगत में अरहंत सारिपुत्त और अरहंत महामोग्गल्लान के नाम अत्यधिक श्रद्धा के केंद्र रहे हैं । गौतम बुद्ध के दो मुख्य शिष्यों के रूप में, वे न केवल बुद्ध के सबसे करीबी आध्यात्मिक साथी थे, बल्कि उनके ज्ञानोदय के बाद धम्म के प्रमुख रक्षक और प्रसारक भी थे ।

बौद्ध परंपरा के अनुसार, सारिपुत्त और महामोग्गल्लान का जन्म वर्तमान नालंदा के पास, मगध क्षेत्र के पड़ोसी गांवों में एक ही दिन हुआ था। सारिपुत्त का जन्म उपतिस्स गांव में हुआ था, जबकि महामोग्गल्लान का जन्म कोलित गांव में हुआ था । बचपन की दोस्ती के बंधन में बंधे इन दोनों जिज्ञासुओं ने अंततः परम सत्य की खोज में एक साथ सांसारिक जीवन का त्याग कर दिया। उनकी आध्यात्मिक यात्रा बुद्ध के सानिध्य में पूरी हुई, जहाँ वे जल्द ही प्रारंभिक संघ के दो सबसे प्रतिष्ठित सदस्यों के रूप में उभरे ।

सारिपुत्त को ज्ञान और सैद्धांतिक विश्लेषण के सर्वोच्च गुरु के रूप में जाना जाता था । बौद्ध ग्रंथ उन्हें असाधारण बौद्धिक स्पष्टता और करुणा एवं सटीकता के साथ शिक्षाओं को समझाने की अद्वितीय क्षमता से संपन्न बताते हैं। उन्होंने भिक्षुओं के अनुशासन की देखरेख की, ध्यान साधना का मार्गदर्शन किया और स्वतंत्र रूप से भिक्षुओं को दीक्षित करने वाले पहले अधिकृत शिष्य बने। बुद्ध के सीधे निर्देश के बाद, बुद्ध के पुत्र राहुल को सारिपुत्त द्वारा एक नवदीक्षित भिक्षु (सामनेर) के रूप में दीक्षित किया गया था । उनके नेतृत्व और धम्म पर असाधारण पकड़ के कारण, बुद्ध ने उन्हें धम्म का सेनापति (धम्मसेनापति) की उपाधि दी थी।

थेरवाद बौद्ध परंपरा के अनुसार, ज्ञान प्राप्त करने के बाद बुद्ध ने तावतिंस स्वर्ग में अपनी माता (जिनका वहां पुनर्जन्म हुआ था) सहित देवताओं को अभिधम्म की शिक्षा दी थी । इस अवधि के दौरान, बुद्ध हर दिन कुछ समय के लिए मानव लोक में लौटते थे, जहाँ वे सारिपुत्त को उन शिक्षाओं का सारांश सुनाते थे, और फिर सारिपुत्त उन शिक्षाओं को व्यवस्थित रूप से जन-जन तक पहुँचाते थे ।

इसके विपरीत, महामोग्गल्लान को ध्यान और आध्यात्मिक उपलब्धियों के अग्रणी गुरु के रूप में सम्मान प्राप्त था। बौद्ध साहित्य में उन्हें गहन ध्यान शक्तियों और अस्तित्व के विभिन्न लोकों को देखने की क्षमता से युक्त बताया गया है। देवताओं, ब्रह्मों और दुखी अवस्थाओं में कष्ट भोग रहे जीवों के साथ अपने संवादों के माध्यम से, उन्होंने कर्म के सिद्धांतों और संसार की वास्तविकताओं को स्पष्ट किया। उनकी शिक्षाओं ने अनुयायियों को मानवीय कर्मों के नैतिक और आध्यात्मिक परिणामों की स्पष्ट समझ प्रदान की। गौतम बुद्ध ने अरहंत महामोग्गल्लान पर एक शिक्षक, आध्यात्मिक मार्गदर्शक और प्रारंभिक संघ के रक्षक के रूप में गहरा भरोसा किया, जो अक्सर अनुशासन और सामुदायिक नेतृत्व के मामलों में बुद्ध की ओर से कार्य करते थे। उन्होंने देवदत्त द्वारा पैदा किए गए संघ-भेद (विभाजन) को दूर करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जिससे भिक्षुओं को बुद्ध के साथ फिर से एकजुट करने और बौद्ध समुदाय की एकता को बनाए रखने में मदद मिली ।

पवित्र अवशेष और उनकी चिरस्थायी श्रद्धा

अरहंत सारिपुत्त और अरहंत महामोग्गल्लान का परिनिर्वाण बुद्ध और बौद्ध संघ के लिए एक अत्यंत भावुक क्षण था। अरहंत सारिपुत्त ने बुद्ध के महापरिनिर्वाण से कुछ समय पहले, कत्तिका/कार्तिक (अक्टूबर/नवंबर) महीने की पूर्णिमा को अंतिम मुक्ति (परिनिर्वाण) प्राप्त की, जबकि परंपरा के अनुसार अरहंत महामोग्गल्लान का परिनिर्वाण लगभग पंद्रह दिन बाद, उसी महीने की अमावस्या को हुआ था । बौद्ध परंपरा में, उन्हें आध्यात्मिक प्राप्ति का पवित्र प्रतीक और ज्ञानोदय का जीवंत स्मरण माना जाता है। इसलिए, अरहंत सारिपुत्त और अरहंत महामोग्गल्लान के पवित्र अवशेष असाधारण महत्व रखते हैं, जो बुद्ध धम्म के त्रिरत्नों में से एक-'संघ' की साक्षात प्राप्ति का प्रतिनिधित्व करते हैं । विभिन्न बौद्ध संस्कृतियों में, ये पवित्र अवशेष आज भी भक्ति, तीर्थयात्रा और

आत्मचिंतन को प्रेरित करते हैं। उनका आदर प्राचीन भारत से आधुनिक विश्व तक बुद्ध की शिक्षाओं की निरंतरता का प्रतीक है। इस गहरी श्रद्धा का एक भव्य नजारा फरवरी 2024 में थाईलैंड में देखा गया, जो हाल के इतिहास के सबसे महत्वपूर्ण बौद्ध राजकीय समारोहों में से एक था ।

थाईलैंड की ऐतिहासिक 2024 अवशेष प्रदर्शनी

अरहंत सारिपुत्त और अरहंत महामोग्गल्लान के अवशेष 23 फरवरी 2024 को पहली बार भारत से बाहर गए, जब थाईलैंड ने बैंकॉक के सनम लुआंग में बुद्ध के पवित्र अवशेषों के साथ-साथ अरहंत सारिपुत्त और अरहंत महामोग्गल्लान के अवशेषों की स्थापना के लिए एक भव्य राजकीय समारोह का आयोजन किया था। इस ऐतिहासिक आयोजन की संयुक्त अध्यक्षता सोमदेत फ्रा संघराजा सकल महा संघपरिणायक और प्रधान मंत्री स्रेत्था थाविसिन ने की थी ।

रॉयल थाई सरकार और भारत सरकार के सहयोग से गंगा-मेकांग पवित्र बुद्ध अवशेष पहल के तहत आयोजित यह प्रदर्शनी, महा वजिरालोंगकोर्न की छठी-चक्र वर्षगांठ के शुभ अवसर पर आयोजित उत्सवों का हिस्सा थी। भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय और अंतर्राष्ट्रीय बौद्ध परिसंघ ने भारत से भिक्षुओं और शिक्षाविदों को लाने और बैंकॉक के सिल्पकर्न विश्वविद्यालय में एक पूर्ण दिवसीय विपश्यना कार्यक्रम आयोजित करके इस प्रदर्शनी के समन्वय में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई ।

इस आयोजन ने भारी जन-भक्ति और अंतर्राष्ट्रीय ध्यान आकर्षित किया। बैंकॉक प्रदर्शनी के बाद, इन पवित्र अवशेषों को थाईलैंड के विभिन्न हिस्सों जैसे चियांग माई, उबोन रत्चाथानी और क्राबी ले जाया गया-जिससे देश के सभी क्षेत्रों के लगभग 50 लाख (5 मिलियन) बौद्धों को अवशेषों के दर्शन और श्रद्धा सुमन अर्पित करने का अवसर मिला ।

मंगोलिया के लिए इन अवशेषों का महत्व क्यों है?

अरहंत सारिपुत्त और अरहंत महामोग्गल्लान के अवशेषों को मंगोलिया ले जाने की प्रासंगिकता 'धम्म वाहक' के रूप में उनकी भूमिका में निहित है-वे प्रारंभिक संघ के ऐसे स्तंभ थे जिनका जीवन बुद्ध की शिक्षाओं के प्रसार और सुरक्षा का साक्षात उदाहरण था। उनके दो मुख्य शिष्यों के पवित्र अवशेष संसार में उस ज्ञानोदय के संरक्षण, व्याख्या और प्रसार के प्रतीक हैं। अरहंत सारिपुत्त और अरहंत महामोग्गल्लान गहन साधना के माध्यम से धम्म की व्यावहारिक अनुभूति का प्रतिनिधित्व करते हैं ।

एक साथ मिलकर, दोनों शिष्यों ने बौद्ध अभ्यास के पूरक स्तंभों को साकार किया: ज्ञान और अनुभूति, सिद्धांत और प्रत्यक्ष अनुभव । इसलिए, उनके पवित्र अवशेष उन जीवंत सिद्धांतों के प्रतीक हैं जिनके माध्यम से मुक्ति संभव है, इस प्रकार वे शुद्धतम रूप में सिद्ध संघ का प्रतिनिधित्व करते हैं। उनका सम्मान करना, वास्तव में, मानव इतिहास में बुद्ध के ज्ञानोदय के सफल प्रसार का सम्मान करना है । मंगोलिया के लिए, इन अवशेषों का आगमन असाधारण अर्थ रखता है। मंगोलिया की बौद्ध पहचान ऐतिहासिक रूप से श्रद्धा, विद्वता, संन्यासी अनुशासन और ध्यान परंपरा में रची-बसी रही है। इन पवित्र अवशेषों की उपस्थिति एक पवित्र और प्रत्यक्ष संबंध स्थापित करती है, जो बुद्ध धम्म की जीवंत छवि को पूर्ण करती है। मंगोलिया में उनकी उपस्थिति मंगोलियाई भिक्षु समुदाय (संघ) के लिए एक अत्यंत दुर्लभ और शुभ आशीर्वाद है।

लेखक भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय में सचिव हैं

प्री-हिस्टोरिक सर्जरी से मेडिकल लग्जरी तक का सफर दर्द को घटा सकता है

एन. रघुरामन

हाल ही में दांत में तेज दर्द के कारण मुझे डेंटिस्ट के पास जाने से डर लग रहा था, क्योंकि उन्होंने दांत निकालने की सलाह दी थी। लेकिन आखिरकार मुझे जाना ही पड़ा, क्योंकि उन्होंने कम से कम दर्द का भरोसा दिया था। उन्होंने मजाक में कहा कि 'मेरी सुविधा शायद लॉस एंजिलिस के सेडर्स-सिनाई मेडिकल सेंटर जैसी तो नहीं, लेकिन आपको भरोसा दे सकता हूं कि यह 59 हजार साल पहले दांत दर्द से पीड़ित निएंडरथल मानव के अनुभव जितना कठिन नहीं होगा।' उनकी इन बातों ने मुझे गंभीरता से यह सोचने को मजबूर कर दिया कि तुलना के लिए उन्होंने ये दो बिल्कुल अलग चीजें ही क्यों चुनीं।

सेडर्स-सिनाई वही बेहद मशहूर अस्पताल है, जहां 2023 में शूटिंग के दौरान मामूली एक्सीडेंट के बाद बॉलीवुड एक्टर शाहरुख खान का इलाज हुआ था। यह हॉलीवुड के शीर्षतम सितारों और दुनिया के अरबपतियों का भी पसंदीदा मेडिकल डेस्टिनेशन है। इसकी कोई ऑफिशियल प्राइस लिस्ट नहीं है, लेकिन 2019-20 के आसपास प्रकाशित फीस ब्योरे के अनुसार वहां हार्ट ट्रांसप्लांट की कीमत 3.3 मिलियन डॉलर यानी करीब 30 करोड़ रुपए थी।

हालांकि, एक दांत निकलवाने की जिस प्रक्रिया से मैं गुजरा, वहां उसकी लागत 800 डॉलर यानी 77 हजार रुपए से ज्यादा नहीं होगी। लेकिन मैंने सोचा कि आखिर यह जगह इतनी मशहूर क्यों है? दरअसल, वहां मरीजों को एक क्यूरेटेड लाइफस्टाइल एक्सपीरियंस दिया जाता है। वहां पीछे की तरफ एक गुप्त प्रवेश द्वार भी है, ताकि एडमिट होते वक्त ये बेहद प्रख्यात हस्तियां पैपराजी के कैमरों से बच सकें।

ऑनलाइन खोज से पता चला कि यह जगह फाइन आर्ट, म्यूजिक, एम्बिएंट लाइटिंग और दुनिया के अलग-अलग हिस्सों से लाई गई खूबसूरत आर्किटेक्चरल

चीजों से भरी है, ताकि मरीज सहज महसूस करे और उसे लगे कि वह ठीक हो रहा है। वहां एक भी परंपरागत सीढ़ी नहीं है, जिस पर मरीज को चढ़ना पड़े।

करीब तीन लाख रुपए कीमत वाले प्रीमियम इटालियन बेड हैं। अगर आप बेहद अमीर हैं और आपको कोई चीज पसंद नहीं आ रही तो वहां 75 से ज्यादा लोगों की इन-हाउस डिजाइन और आर्किटेक्चरल टीम है, जो आपके लिए हर चीज मोडिफाई कर सकती है।

रिसेप्शन एरिया में किसी हाई-एंड बुटीक होटल लॉबी की तरह सफेद और आंखों को सुकून देने वाला माहौल है। ऊपर एक वेटिंग रूम है, जो किसी प्राइवेट जेट डिपार्चर लाउंज जैसा है। कंसल्टिंग रूम के ब्रांडेड सोफा सेट, 4400 से 7400 रुपए कीमत का लग्जरी एईसोप हैंडवॉश और ऐसी अनगिनत चीजें हैं। और आखिर में, जैसा वे दावा करते हैं, वहां वर्ल्ड क्लास मेडिकल प्रोफेशनल्स हैं।

फिर भी, 59 हजार साल पहले निएंडरथल के प्राचीन युग में भी जटिल सर्जरी होती थीं। हाल ही में साइबेरिया की गुफा में मिले एक प्राचीन दांत पर हुए महत्वपूर्ण अध्ययन में सोच-समझ कर की गई डेंटल सर्जरी के संकेत मिले हैं। शायद इसमें दांतों की सड़न हटाने और दर्द से राहत देने के लिए पत्थर का छोटा औजार इस्तेमाल किया गया था।

विलुप्त हो चुके हमारे करीबी रिश्तेदारों ने इतना जटिल और इन्वेसिव डेंटल प्रोसिजर किया था और उनके पास सोची-समझी चिकित्सकीय रणनीति, सटीक तरीके से हाथ चलाने का कौशल जैसी कॉग्निटिव क्षमताएं थीं। इससे उस पारंपरिक धारणा को चुनौती मिलती है कि ऐसी जटिल चीजें केवल हम होमो सेपियंस ही कर सकते थे।

यह अध्ययन इस साल 13 मई को ओपन-एक्सेस जर्नल 'पीएलओएस वन' में रूसी वैज्ञानिकों की टीम द्वारा प्रकाशित किया गया। याद रखिए कि मानव के मुंह में काम करना बेहद कठिन होता है। शोधकर्ताओं का मानना है कि उस समय सर्जरी करने वाले व्यक्ति के पास शानदार दक्षता, अपार धैर्य और एक भरोसेमंद सहायक जरूर रहा होगा, जो मरीज का सिर स्थिर रख सके, क्योंकि तब लोकल एनेस्थीसिया नहीं होता था।

फंडा यह है कि अगर आप अपनी बीमारी के बारे में कुछ नया जानने में खुद को व्यस्त कर लें तो दर्द पर ध्यान कम जाता है। क्योंकि दिमाग यह सीखकर गर्व अनुभव करता है कि उसने कुछ नया जाना है, जो पहले पता नहीं था।

"सहभागी जल बजटिंग के जरिए समुदायों का सशक्तीकरण"

भारत में जल संकट केवल संसाधनों की कमी का प्रश्न नहीं रह गया है, बल्कि यह कृषि, ग्रामीण अर्थव्यवस्था, जलवायु अनुकूलन और सतत विकास से जुड़ी एक गंभीर चुनौती बन चुका है। बढ़ती जनसंख्या, असमान वर्षा वितरण, भूजल दोहन और जलवायु परिवर्तन ने ग्रामीण क्षेत्रों में जल प्रबंधन को और अधिक जटिल बना दिया है। ऐसे समय में जल बजटिंग एक प्रभावी और सहभागी समाधान के रूप में उभरकर सामने आई है, जो समुदायों को जल संसाधनों के वैज्ञानिक और संतुलित उपयोग के लिए सक्षम बना रही है।

जल शक्ति मंत्रालय और विभिन्न राज्य सरकारों द्वारा संचालित पहलें यह दर्शाती हैं कि यदि स्थानीय समुदायों को जल प्रबंधन में सहभागी बनाया जाए तो जल संकट का दीर्घकालिक समाधान संभव है। अटल भूजल योजना, राष्ट्रीय जल मिशन, जलयुक्त शिवर अभियान और राजस्थान का मुख्यमंत्री जल स्वावलंबन अभियान इसके सफल उदाहरण हैं।

जल संसाधनों पर बढ़ता दबाव

केंद्रीय जल आयोग के अध्ययन के अनुसार भारत में औसतन प्रतिवर्ष लगभग 3880 अरब घन मीटर वर्षा होती है। प्राकृतिक क्षति और वाष्पीकरण के बाद देश में औसत वार्षिक जल उपलब्धता लगभग 1999 अरब घन मीटर आंकी गई है। हालांकि, बढ़ती आबादी के कारण प्रति व्यक्ति जल उपलब्धता लगातार घट रही है। विश्व की लगभग 17.5 प्रतिशत आबादी और 11.6 प्रतिशत पशुधन भारत में है, जबकि जल संसाधन सीमित हैं। ग्रामीण भारत में उपलब्ध जल का लगभग 80 से 90 प्रतिशत हिस्सा कृषि में उपयोग होता है। ऐसे में भूजल स्तर में गिरावट और जल संकट की स्थिति लगातार गंभीर होती जा रही है।

क्या है जल बजटिंग

जल बजटिंग का अर्थ किसी गांव, ब्लॉक, जलग्रहण क्षेत्र या जिले में उपलब्ध जल और उसकी मांग का वैज्ञानिक आकलन करना है। इसमें वर्षा, भूजल पुनर्भरण, सतही जल, बहाव, वाष्पीकरण और विभिन्न उपयोगों की जल मांग को शामिल किया जाता है। यह प्रक्रिया केवल गणना तक सीमित नहीं है, बल्कि जल के स्रोतों, मौसमी बदलावों और मानव गतिविधियों के प्रभाव को समझने का माध्यम भी है। इसके आधार पर कृषि, घरेलू उपयोग, पशुपालन और अन्य गतिविधियों के लिए संतुलित जल आवंटन संभव हो पाता है।

कृषि और पशुपालन में सहायक

राष्ट्रीय एकीकृत जल संसाधन विकास आयोग के अनुसार वर्ष 2050 तक सिंचाई के लिए पानी की मांग 807 बिलियन क्यूबिक मीटर तक पहुंच सकती है। ऐसे में जल बजटिंग किसानों को स्थानीय जल उपलब्धता के अनुरूप फसल चयन और सिंचाई पद्धति अपनाने में मदद करती है। नाबार्ड समर्थित पहलों से यह स्पष्ट हुआ है कि जल उपलब्धता के अनुसार फसल योजना बनाने से जोखिम कम होता है और उत्पादकता बढ़ती है। ड्रिप और स्प्रिंकलर सिंचाई, मल्चिंग और फसल विविधीकरण जैसी तकनीकों को बढ़ावा देकर जल उपयोग दक्षता में सुधार लाया जा रहा है। भारत में पशुधन की संख्या भी तेजी से बढ़ी है। वर्ष 2019 की पशुधन गणना के अनुसार पशुओं की संख्या बढ़कर लगभग 53.6 करोड़ हो गई। इससे पशुओं के लिए पानी और चारे की मांग भी बढ़ी है। जल बजटिंग इन आवश्यकताओं को भी ध्यान में रखकर समग्र जल प्रबंधन सुनिश्चित करती है।

अटल भूजल योजना से बदली तस्वीर

वर्ष 2019 में शुरू की गई अटल भूजल योजना भूजल संकट वाले सात राज्यों के 229 ब्लॉकों में लागू की गई। इस योजना के तहत ग्राम पंचायत स्तर पर जल बजट तैयार किए जा रहे हैं और स्थानीय समुदायों को जल संरक्षण

गतिविधियों से जोड़ा गया है। मार्च 2026 तक लगभग 81,700 जल संरक्षण और पुनर्भरण संरचनाओं का निर्माण या जीर्णोद्धार किया जा चुका है। योजना के तहत 8,203 जल बजट तैयार किए गए हैं। इसके साथ ही 1.25 लाख से अधिक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित कर लोगों को जल संरक्षण के प्रति जागरूक बनाया गया है। इन प्रयासों के परिणामस्वरूप 229 में से 180 ब्लॉकों में भूजल स्तर में सुधार दर्ज किया गया है। यह दर्शाता है कि सहभागी जल प्रबंधन किस प्रकार सकारात्मक परिवर्तन ला सकता है।

हिवरे बाजार बना प्रेरणा मॉडल

हिवरे बाज़ार गांव आज देश में सामुदायिक जल प्रबंधन का सफल उदाहरण बन चुका है। कभी सूखे और जल संकट से जूझने वाला यह गांव अब जल आत्मनिर्भरता की मिसाल बन गया है।

ग्राम सभा स्तर पर वार्षिक जल बजट तैयार कर किसानों को उपलब्ध पानी के अनुसार फसल चयन के लिए प्रेरित किया गया। भूजल के अत्यधिक दोहन को रोकने के लिए गहरे बोरवेल पर प्रतिबंध लगाया गया। वर्षा जल संचयन और जलग्रहण विकास जैसे उपायों ने गांव की तस्वीर बदल दी।

इस मॉडल से प्रेरित होकर महाराष्ट्र सरकार ने अपनी सूखा-रोधी रणनीति में जल बजटिंग को शामिल किया है और हर वर्ष हजारों गांवों को जल सुरक्षित बनाने का लक्ष्य रखा है।

महिलाओं की बढ़ती भागीदारी

राष्ट्रीय जल मिशन के अंतर्गत नारी शक्ति से जल शक्ति अभियान महिलाओं को जल संरक्षण और प्रबंधन में सक्रिय भूमिका दे रहा है। स्वयं सहायता समूहों और ग्राम जल समितियों के माध्यम से महिलाएं जल शासन का महत्वपूर्ण हिस्सा बन रही हैं। उत्तराखंड के उधम सिंह नगर जिले में जल जीवन मिशन के तहत 1,600 से अधिक महिलाओं को प्रशिक्षित किया गया है। महिला नेतृत्व वाली समितियां गांवों में जल संरक्षण और स्वच्छता अभियान चला रही हैं।

राजस्थान का सामुदायिक मॉडल

राजस्थान में मुख्यमंत्री जल स्वावलंबन अभियान के तहत फोर वाटर्स कॉन्सेप्ट आधारित जल संरक्षण मॉडल लागू किया गया। इसमें वर्षा जल, भूजल, मिट्टी की नमी और सतही जल के संरक्षण पर जोर दिया गया। ग्राम सभा स्तर पर जल बजटिंग को संस्थागत रूप देने से समुदाय स्वयं जल उपलब्धता का आकलन कर विभिन्न जरूरतों के लिए जल आवंटन तय कर रहे हैं। इस पहल से भूजल स्तर में वृद्धि, मिट्टी की उर्वरता में सुधार और लाखों लोगों तथा पशुओं के लिए जल उपलब्धता सुनिश्चित हुई है।

तकनीक से आसान हुआ जल प्रबंधन

वरुणी वेब एप्लीकेशन जैसी डिजिटल तकनीकें जल बजटिंग को और अधिक वैज्ञानिक और प्रभावी बना रही हैं। यह प्लेटफॉर्म वर्षा, फसल पैटर्न, भूमि उपयोग और जनसंख्या से संबंधित सरकारी डेटा का उपयोग कर ब्लॉक स्तर पर जल बजट तैयार करता है।

इस तकनीक की सहायता से स्थानीय प्रशासन जल की कमी या अधिकता का सटीक आकलन कर सकता है और आवश्यक कदम उठा सकता है। इससे जल संरक्षण, भूजल पुनर्भरण और कुशल सिंचाई पद्धतियों को बढ़ावा मिल रहा है।

जलयुक्त शिवर अभियान की सफलता

महाराष्ट्र सरकार का जलयुक्त शिवर अभियान ग्रामीण क्षेत्रों में जल संकट के समाधान की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। वर्ष 2014 में शुरू किए गए इस अभियान के तहत जल संरक्षण, भूजल पुनर्भरण और ग्राम स्तर पर जल बजटिंग को बढ़ावा दिया गया। अभियान के परिणामस्वरूप 11 हजार से अधिक गांवों को सूखा मुक्त घोषित किया गया है। कई क्षेत्रों में भूजल स्तर में 1.5 से 2 मीटर तक वृद्धि दर्ज की गई और कृषि उत्पादकता में 30 से 50 प्रतिशत तक सुधार हुआ है।

सामुदायिक भागीदारी से मजबूत होगा जल भविष्य

जल संकट से निपटने के लिए केवल सरकारी योजनाएं पर्याप्त नहीं हैं। इसके लिए समुदाय आधारित, डेटा-आधारित और सहभागी दृष्टिकोण आवश्यक है। जल बजटिंग गांवों को अपनी जल आवश्यकताओं और उपलब्ध संसाधनों के बीच संतुलन स्थापित करने की क्षमता प्रदान करती है। हिवरे बाजार जैसे मॉडल और अटल भूजल योजना जैसी पहलकदमियां यह सिद्ध करती हैं कि स्थानीय भागीदारी, नीति समर्थन और तकनीक के समन्वय से जल संकट वाले क्षेत्रों को आत्मनिर्भर बनाया जा सकता है। दीर्घकालिक जल सुरक्षा, कृषि संवहनीयता और ग्रामीण विकास सुनिश्चित करने के लिए जल बजटिंग को ग्राम स्तर से लेकर राष्ट्रीय योजना निर्माण तक संस्थागत रूप देना समय की सबसे बड़ी आवश्यकता बन गई है।

ITR फाइल 500/-
Whatsapp पर बनवाएँ
Income Tax फाइल, GST रजिस्ट्रेशन, TDS रिफंड, प्रोजेक्ट रिपोर्ट
CMA DATA, MSME, BALANCE SHEET, फूड लाइसेंस
हमारे Tax Expert आपकी मदद हेतु तैयार है।
सम्पर्क - शेखर गुप्ता 9300755544 - 8878655544
www.onlytds.com

श्रीकंचनपथ
भिलाई-दुर्ग

प्रिंट और डीजिटल मीडिया में
सभी प्रकार के विज्ञापन के लिए
संपर्क करे
Mob.-:
9303289950
7987166110

प्रमुख खबरें

मोर सेवा संगवारी योजना से घर बैठे मिल रहे ऑनलाइन दस्तावेज

भिलाई। शासन की महत्वाकांक्षी योजना ''मोर सेवा संगवारी'' के तहत नागरिकों को विभिन्न प्रकार के ऑनलाइन दस्तावेज एवं प्रमाण पत्र आसानी से उपलब्ध कराए जा रहे हैं। इस योजना का उद्देश्य आम नागरिकों को शासकीय सेवाओं का लाभ सरल, सुगम एवं घर बैठे उपलब्ध कराना है। नगर पालिक निगम भिलाई में इस योजना के अंतर्गत नागरिक टोल फ्री नंबर 14545 पर निःशुल्क कॉल कर मोर सेवा संगवारी के एजेंट को अपने घर बुला सकते हैं। एजेंट द्वारा नागरिकों से आवश्यक जानकारी एवं दस्तावेज प्राप्त कर ऑनलाइन प्रक्रिया पूर्ण की जाती है, जिससे लोगों को कार्यालयों के चक्कर लगाने की आवश्यकता नहीं पड़ती। मोर सेवा संगवारी योजना के माध्यम से आय, निवास, जाति प्रमाण पत्र सहित अन्य आवश्यक दस्तावेज एवं सेवाएं ऑनलाइन उपलब्ध कराई जा रही हैं। इससे समय की बचत होने के साथ-साथ नागरिकों को पारदर्शी एवं त्वरित सेवा का लाभ मिल रहा है।

दिव्यांग संतोष के जीवन में आई आत्मनिर्भरता की नई सुबह

दुर्ग। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के सुशासन संकल्प को धरातल पर चरितार्थ करने के उद्देश्य से पूरे जिले में 'सुशासन तिहार 2026' के अंतर्गत जन समस्या निवारण शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। प्रशासनिक सुगमता और लोक-कल्याण को समर्पित इस अभियान के तहत दुर्ग जनपद पंचायत क्षेत्र के ग्राम बेलौदी में आयोजित जन समस्या निवारण शिविर कई जरूरतमंदों के लिए संबल और खुशियों का माध्यम बना, जहां जिला प्रशासन द्वारा त्वरित कार्यवाही करते हुए एक दिव्यांग हितग्राही को बड़ी राहत पहुंचाई गई। ग्राम नागपुरा निवासी दिव्यांग संतोष कुमार लंबे समय से शारीरिक दिव्यांगता के कारण चलने-फिरने में असमर्थ थे। जब उन्होंने शिविर में अपनी इस व्यावहारिक कठिनाई को अधिकारियों के समक्ष रखा, तो जिला प्रशासन द्वारा तत्काल औपचारिकताएं पूर्ण कर उनके लिए बैटरी चालित ट्राईसाइकिल स्वीकृत की गई।

त्रिस्तरीय पंचायत उप निर्वाचन के कारण शिविर की तिथि में संशोधन

दुर्ग। कलेक्टर अभिजीत सिंह ने 'सुशासन तिहार 2026' के अंतर्गत जनपद पंचायत पाटन के ग्राम पंचायत जामगांव आर में पूर्व निर्धारित जन समस्या निवारण शिविर की तिथि में आंशिक संशोधन किया है। ज्ञात हो कि छत्तीसगढ़ राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा 1 जून 2026 (दिन सोमवार) को त्रिस्तरीय पंचायत उप निर्वाचन 2026 के तहत रिक्त पदों के लिए मतदान का कार्यक्रम निर्धारित किया गया है। इस चुनावी कार्यक्रम और व्यस्तता को देखते हुए आम जनता की सुविधा के लिए पूर्व प्रस्तावित शिविर की तिथि को परिवर्तित किया गया है। संशोधित कार्यक्रम के अनुसार अब जामगांव (आर) में जन समस्या निवारण शिविर बुधवार, 03 जून 2026 को आयोजित की जाएगी।

निजी स्कूलों की मनमानी और फीस बढ़ोतरी की जांच के लिए जिला व ब्लॉक स्तरीय समितियों का गठन

■ **हेल्प डेस्क नंबर पर पालक कर सकते है शिकायत**

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। जिले में संचालित अशासकीय (निजी) विद्यालयों द्वारा पालकों को पुस्तकें, गणवेश और अन्य सामग्रियां किसी एक ही निर्धारित फर्म से खरीदने के लिए बाध्य किए जाने तथा अप्रत्याशित दामों के कारण पालकों पर बढ़ रहे वित्तीय बोझ की शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए जिला प्रशासन द्वारा पालकों को राहत देने के उद्देश्य से बड़ी प्रशासनिक पहल की गई है।

जिसके तहत इन शिकायतों के त्वरित निवारण और निजी स्कूलों में फीस बढ़ोतरी से संबंधित मामलों की जांच के लिए जिला व विकासखण्ड स्तर पर विशेष जांच समितियों का गठन किया गया है।

समिति में यह शामिल

जिला स्तरीय समिति में कलेक्टर अभिजित सिंह, जिला शिक्षा अधिकारी अरविन्द कुमार मिश्रा और वाणिज्यिक कर विभाग की सहायक आयुक्त रिंकी अखिलेश सोनी को शामिल किया गया है। वहीं दुर्ग, धमधा और पाटन विकासखण्डों के लिए भी अनुविभागीय अधिकारी राजस्व , विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी और जीएसटी इंस्पेक्टरों के तीन पृथक जांच दलों का गठन किया गया है।

हेल्प डेस्क व वाट्सएप नंबर भी जारी

यह जांच समितियां अशासकीय विद्यालयों में फीस बढ़ोतरी से संबंधित शिकायतों पर स्वतः संज्ञान लेते हुए 'छत्तीसगढ़ अशासकीय विद्यालय फीस विनियमन विधेयक 2020' के अनुरूप कड़ी कानूनी कार्यवाही सुनिश्चित करेंगी। इस विषय से संबंधित किसी भी प्रकार की शिकायत दर्ज कराने के लिए जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय के मान्यता कक्ष प्रभारी विपिन गनवीर का हेल्प डेस्क सह वाट्सएप नंबर 9109277888 जारी किया गया है, जहां पालक अपनी शिकायत व दस्तावेज जमा कर पावती प्राप्त कर सकते हैं।

कलेक्टर जनदर्शन : मोरिद के लोगों ने की नहर पर बने पुल की मरम्मत करने की मांग

■ **जनदर्शन में मिले हुए 96 आवेदन, नेशनल हाईवे निर्माण में नाली व्यवस्था बदलने की शिकायत**

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। जिला कार्यालय के सभाकक्ष में कलेक्टर अभिजीत सिंह ने जनदर्शन कार्यक्रम में पहुंचे जनसामान्य लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनी। उन्होंने जनदर्शन में पहुंचे सभी लोगों की समस्याओं को गंभीरता से सुना और समुचित समाधान एवं निराकरण करने संबंधित विभागों को शीघ्र कार्यवाही कर आवश्यक पहल करने को कहा। जनदर्शन में अपर कलेक्टर योगिता देवांगन भी उपस्थित थीं।

जनदर्शन में अवैध कब्जा, आवासीय पट्टा, प्रधानमंत्री आवास, भूमि सीमांकन कराने, सीसी रोड निर्माण, ऋण पुस्तिका सुधार, आर्थिक सहायता राशि दिलाने सहित विभिन्न मांगों एवं समस्याओं से संबंधित 96 आवेदन प्राप्त हुए। जनदर्शन में प्राप्त विभिन्न आवेदनों पर कलेक्टर ने तत्काल संज्ञान लेते हुए संबंधित अधिकारियों से फोन पर जानकारी ली

और उक्त आवेदनों पर आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए।

इसी कड़ी में ग्राम मोरिदवासियों ने नहर पर बने पुल का पुर्ननिर्माण कराने आवेदन दिया। उन्होंने बताया कि ग्राम मोरिद वार्ड क्रमांक 39 के क्वार्टर पारा क्षेत्र में नहर पर बने पुल की ऊंचाई सड़क सीमेंटीकरण होने की वजह से पुल के बराबर रोड हो गया है। इससे आए दिन दुर्घटनाएं हो रही हैं और पानी निकासी बाधित होने से सड़क पर जलभराव की समस्या बनी रहती है। ग्रामीणों ने आवेदन सौंपकर पुल के पुनर्निर्माण की मांग की, ताकि दुर्घटनाओं और जनहानि से बचा जा सके। इस पर कलेक्टर ने सिंचाई विभाग के कार्यपालन अभियंता को निरीक्षण कर आवश्यक कार्यवाही करने को कहा।

मत्स्योद्योग सहकारी संस्था पंजीयन की मांग

ग्राम सांतरा के मछुआरों ने अलग से मत्स्योद्योग सहकारी संस्था पंजीयन की मांग की। ग्रामीणों ने बताया कि क्षेत्र की पुरानी संस्था तालाब लीज लेने के बाद स्वयं मत्स्य पालन नहीं कर अन्य लोगों को सौंप देती है, जिससे स्थानीय मछुआरों को आर्थिक नुकसान हो रहा है। मछुआरों ने बताया कि सांतरा, मंटग और मानिकचौरी क्षेत्र के डेम व तालाबों में वर्षों से वे मत्स्य पालन का कार्य करते आ रहे हैं। उन्होंने जिला प्रशासन से नई सहकारी संस्था का पंजीयन कर रोजगार उपलब्ध कराने की मांग की है। इस पर कलेक्टर ने उप संचालक मत्स्य विभाग को आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए।

नाली व्यवस्था बदलने की मांग

वार्ड 59 हेरिटेज कॉलेज क्षेत्र के रहवासियों ने नेशनल हाईवे निर्माण कार्य में नाली व्यवस्था बदलने की शिकायत की। कातुलबोर्ड से कादम्बरी नगर-धमधा रोड तक बन रही नई नाली का पानी कादम्बरी नगर नाले में जोड़ा जा रहा है, जहां पहले से कई वार्डों का पानी पहुंचता है। इससे बारिश में ज्वाहर नगर, शक्ति नगर, आशा नगर, कादम्बरी नगर और शांति नगर में बाढ़ जैसी स्थिति बनती है। रहवासियों ने मांग की है कि हेरिटेज कॉलेज के पास से चौहान टाउन की ओर जाने वाली पुरानी नाली को पुनः जोड़ा जाए, ताकि पानी का बहाव दो हिस्सों में बंट सके और जलभराव की समस्या कम हो। इस पर कलेक्टर ने एसडीओ दुर्ग को निरीक्षण कर आवश्यक कार्यवाही करने को कहा।

अग्निवीर भर्ती 2025-26 में प्रदेश के 1163 युवा हुए चयनित

■ **चयनित अभ्यर्थियों को 28 मई को रायपुर में उपस्थिति के निर्देश**

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। भारतीय थल सेना में अग्निवीर भर्ती वर्ष 2025-26 के विभिन्न पदों हेतु चयन परिणाम घोषित कर दिए गए हैं, जिसमें छत्तीसगढ़ राज्य के कुल 1163 युवाओं ने सफलता प्राप्त की है। सेना भर्ती कार्यालय रायपुर से प्राप्त जानकारी के अनुसार, इस भर्ती परीक्षा के परिणाम भारतीय थल सेना की आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध करा दिए गए हैं और इन्हें सेना भर्ती कार्यालय नवा रायपुर के नोटिस बोर्ड पर भी चस्पा किया गया है। चयनित सभी अभ्यर्थियों को आगामी दिशा-निर्देशों एवं प्रारंभिक प्रक्रियाओं के लिए 28 मई 2026 को पूर्वान्ह 07.00 बजे सेना भर्ती कार्यालय रायपुर में उपस्थित होने के निर्देश दिए गए हैं, जो कि शहीद वीर नारायण सिंह अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम के पास नवा रायपुर में स्थित है। दुर्ग जिले से चयनित हुए समस्त अभ्यर्थियों को निर्देशित किया गया है कि वे अपने चयन संबंधी जानकारी तत्काल जिला रोजगार कार्यालय दुर्ग को प्रदान करें तथा निर्धारित समय पर नवा रायपुर स्थित कार्यालय में अपनी अनिवार्य उपस्थिति सुनिश्चित करें। अभ्यर्थियों की सुविधा के लिए प्रशासन द्वारा स्पष्ट किया गया है कि किसी भी प्रकार की जानकारी या स्पष्टीकरण के लिए उम्मीदवार सेना भर्ती कार्यालय रायपुर के दूरभाष क्रमांक 0771-2965212 अथवा 0771-2965214 पर सीधे संपर्क स्थापित कर सकते हैं।

सेल सीएमडी डॉ. एके पंडा ने की भिलाई इस्पात संयंत्र के परिचालन व वित्तीय स्थिति की समीक्षा

■ **उच्च उत्पादन लक्ष्य बेहतर सुरक्षा एवं उत्पादकता पर दिया जोर**

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक डॉ. अशोक कुमार पंडा ने 27 मई को भिलाई प्रवास के दौरान संयंत्र के परिचालन तथा वित्तीय स्थिति की विस्तृत समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने भविष्य के लिए अधिक महत्वाकांक्षी लक्ष्य निर्धारित करने, डायरेक्ट डिस्पैच बढ़ाने तथा सुरक्षा एवं उत्पादकता पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता पर बल दिया।

दौरे के प्रारंभ में निदेशक प्रभारी (सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र) चित्त रंजन महापात्र एवं संयंत्र के कार्यपालक निदेशकों द्वारा भिलाई निवास में अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक (सेल) डॉ. अशोक कुमार पंडा का स्वागत किया गया। इस

अवसर पर सीआईएसएफ जवानों द्वारा उन्हें औपचारिक गार्ड ऑफ ऑनर भी प्रदान किया गया। इसके उपरांत अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक (सेल) डॉ. अशोक कुमार पंडा ने इस्पात भवन में आयोजित उच्चस्तरीय सेल समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में निदेशक प्रभारी चित्त रंजन महापात्र, कार्यपालक निदेशकगण, मुख्य महाप्रबंधकगण तथा अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। समीक्षा बैठक के दौरान डॉ. पंडा ने सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के शीर्ष प्रबंधन के साथ विस्तृत चर्चा करते हुए संयंत्र के समग्र प्रदर्शन की व्यापक समीक्षा की। उन्होंने पिछले तीन से चार वर्षों में संयंत्र के प्रदर्शन की सराहना करते हुए कहा कि अभी भी प्रगति एवं विकास की व्यापक संभावनाएँ मौजूद हैं। उन्होंने डायरेक्ट डिस्पैच बढ़ाने, परिचालन दक्षता में सुधार लाने तथा सुरक्षा मानकों एवं उत्पादकता वृद्धि पर निरंतर फोकस बनाए रखने की आवश्यकता पर विशेष जोर दिया।

बैठक के दौरान, निदेशक प्रभारी (सेल-बीएसपी) श्री चित्त रंजन महापात्र ने कहा कि भिलाई इस्पात संयंत्र से संगठन की अपेक्षाएँ काफी अधिक हैं तथा संयंत्र सामूहिक इन लक्ष्यों एवं अपेक्षाओं को पूरा करने के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास करेगा। अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक (सेल) डॉ. अशोक कुमार पंडा ने संयंत्र में चल रहे विभिन्न कार्यों की प्रगति की भी समीक्षा की तथा प्रबंधन टीम को महत्वपूर्ण सुझाव एवं रणनीतिक मार्गदर्शन प्रदान किया।

स्मार्ट डिजिटल क्लासरूम स्थापित करने के लिए एडसिल के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर

■ **समझौते से आसपास के स्कूलों में मिलेगा डिजिटल शिक्षा का लाभ**

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। भारत सरकार के इस्पात मंत्रालय के अधीन, देश की सार्वजनिक क्षेत्र की सबसे बड़ी इस्पात उत्पादक और महारत्न कंपनी, स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड और शिक्षा मंत्रालय के तहत सार्वजनिक क्षेत्र की उपक्रम एडसिल (इंडिया) लिमिटेड ने सेल के निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व के तहत समावेशी शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं।

इस समझौते के तहत, SAIL के परिचालन क्षेत्रों के आसपास

स्थित स्कूलों में 'स्मार्ट डिजिटल क्लासरूम्स' स्थापित किए जाएंगे। इस सहयोग का उद्देश्य समावेशी शिक्षा को बढ़ावा देना और सीखने के परिणामों (लर्निंग आउटकम्स) को और आगे ले जाना है।

यह परियोजना सीधे तौर पर राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 और संयुक्त राष्ट्र के सस्टेनेबल विकास लक्ष्य-4 (SDG-4) के उद्देश्यों के अनुरूप है, जिसका उद्देश्य अन्य बातों के साथ-साथ सभी के लिए समावेशी, न्यायसंगत, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और सीखने के अवसर सुनिश्चित करना है।

SAIL और EdCIL के बीच इस समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर सेल के निदेशक (कार्मिक), के. के. सिंह की उपस्थिति में किया गया। इस अवसर पर सेल और एडसिल के अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे।

सड़क दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने निगम की कार्रवाई आवारा मवेशियों को पकड़कर गौठान भेजा गया

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। शहर में बढ़ती सड़क दुर्घटनाओं, यातायात बाधा एवं नागरिकों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए नगर पालिक निगम भिलाई द्वारा आवारा मवेशियों के खिलाफ विशेष अभियान चलाया जा रहा है। निगम आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय के निर्देशानुसार रोका छेका विभाग की टीम प्रतिदिन शहर के प्रमुख मार्गों, चौक-चौराहों एवं व्यस्त बाजार क्षेत्रों में अभियान चलाकर सड़कों पर बैठे एवं घूम रहे मवेशियों को पकड़ने की कार्रवाई कर रही है।

नगर निगम की टीम द्वारा ऐसे मवेशियों को पकड़कर कोसानाला गौठान भेजा जा रहा है, जहां उनके रहने, खाने-पीने एवं उपचार की

समुचित व्यवस्था की गई है। गौठान में मवेशियों के लिए चारा, पानी एवं चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराई गई है ताकि उन्हें सुरक्षित वातावरण मिल सके। निगम प्रशासन का कहना है कि शहर में लगातार ऐसे मामले सामने आ रहे थे, जहां सड़कों पर बैठे मवेशियों के कारण वाहन चालकों को परेशानी हो रही थी और दुर्घटनाओं की आशंका बनी रहती थी। विशेषकर रात्रि के समय एवं व्यस्त मार्गों पर यह स्थिति अधिक गंभीर हो जाती है। रोका.छेका विभाग की टीम द्वारा शहर के प्रमुख मार्गों, पावर हाउस क्षेत्रए सुपेला, वैशाली नगर, खुर्सीपार, नेहरू नगर सहित अन्य भीड़-भाड़ वाले क्षेत्रों में लगातार निगरानी रखी जा रही है। अभियान के दौरान सड़कों पर बैठे मवेशियों को पकड़कर सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया जा रहा है ताकि यातायात व्यवस्था सुचारू बनी रहे और आम नागरिकों को राहत मिल सके।

निगम प्रशासन ने बताया कि आवारा मवेशियों के कारण कई बार जाम की स्थिति निर्मित हो जाती है। दोपहिया वाहन चालक एवं राहगीर दुर्घटना का शिकार हो जाते हैं। बरसात के मौसम में सड़कों पर फिसलन बढ़ने के कारण यह खतरा और अधिक बढ़ जाता है। इसी को देखते हुए निगम द्वारा यह विशेष अभियान गंभीरता से चलाया जा रहा है। नगर पालिक निगम भिलाई ने शहर के खटाल संचालकों एवं मवेशी मालिकों से अपील की है कि वे अपने मवेशियों को घरों एवं खटालों में बांधकर रखें तथा उन्हें सड़कों पर खुला न छोड़ें।

अवैध रूप से निर्मित दुकान को नगर निगम की टीम ने किया बेदखल

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। नगर पालिक निगम भिलाई क्षेत्रांतर्गत नंदनी रोड ओवर ब्रिज के बगल में अवैध रूप से निर्मित दुकान पर निगम प्रशासन द्वारा कार्रवाई की गई। निगम को प्राप्त शिकायत एवं स्थल निरीक्षण के दौरान पाया गया कि अल्ताफ द्वारा बिना अनुमति नया दुकान निर्माण किया गया था, जिससे मार्ग व्यवस्था प्रभावित हो रही थी।

निगम आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय के निर्देशानुसार तोड़फोड़ दस्ता एवं संबंधित जोन की टीम मौके पर पहुंची और अवैध निर्माण को हटाने की कार्रवाई की। कार्रवाई के दौरान अवैध रूप से बनाए गए दुकान को निगम अमले की सहायता से हटाया गया। निगम प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि बिना वैधानिक अनुमति के किए गए किसी भी प्रकार के निर्माण एवं अतिक्रमण पर लगातार कार्रवाई जारी रहेगी। नागरिकों से अपील की गई है कि अवैध रूप से दुकान को स्थापित करने से पूर्व निगम से आवश्यक अनुमति अवश्य प्राप्त करें, अन्यथा नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। कार्रवाई के दौरान निगम के अधिकारी, तोड़फोड़ दस्ता, राजस्व विभाग उपस्थित रहे।

Since 1972
CROWN-TV
Choice Of Millions
LED / Washing Machine
Cooler / Fridge
Available All Size
CONTACT :
Atlas Radio Traders (Crown)
Sect.-3, D-48, Ward No. 13
Devendra Nagar, Raipur (C.G.) 492009
Near Akash Gas Agency Line
Mob.: 98262 52372

खास-खबर

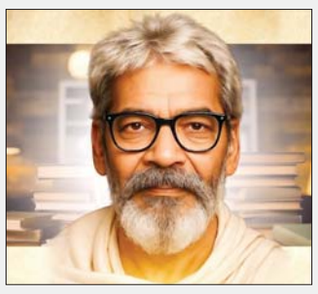

वित्त मंत्री ने डॉ. पदुमलाल पुन्नालाल बख्शी का किया पुण्य स्मरण

रायपुर। वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने छत्तीसगढ़ की माटी के गौरव, ख्यातिलब्ध निबंधकार, कवि एवं वरिष्ठ पत्रकार डॉ. पदुमलाल पुन्नालाल बख्शी जी की जयंती पर उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए पुण्य स्मरण किया है। वित्त मंत्री ने कहा कि डॉ. बख्शी ने अपने साहित्य, विचारों और लेखनी के माध्यम से हिंदी साहित्य को नई ऊंचाईयां प्रदान कीं। उनकी रचनाएं आज भी समाज को संवेदनशीलता, विचारशीलता और सांस्कृतिक चेतना का संदेश देती हैं। उन्होंने कहा कि डॉ. पदुमलाल पुन्नालाल बख्शी जी का साहित्यिक योगदान आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणास्रोत है। छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक और साहित्यिक पहचान को राष्ट्रीय स्तर पर स्थापित करने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका रही है।

मानपुर में 29 मई को होगा जिलास्तरीय मेगा क्रेडिट कैंप

मोहला। सुशासन तिहार 2026 के अंतर्गत जिले में बैंकिंग एवं वित्तीय जागरूकता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से जिला प्रशासन द्वारा 29 मई 2026 को मानपुर में जिलास्तरीय मेगा क्रेडिट कैंप का आयोजन किया जाएगा। कलेक्टर तुलिका प्रजापति के निर्देशानुसार आयोजित इस शिविर में जिले के सभी बैंक एवं उनकी शाखाएं भाग लेंगी। यह कैंप आरसेटी भवन में शुक्रवार सुबह 11 बजे से आयोजित होगा। शिविर में किसानों, युवाओं, महिला स्व-सहायता समूहों तथा छोटे व्यापारियों को विभिन्न ऋण योजनाओं, स्वरोजगार योजनाओं, किसान क्रेडिट कार्ड, डिजिटल बैंकिंग और बैंकिंग योजनाओं की जानकारी दी जाएगी।

बड़ेभंडार शिविर में स्वच्छग्राही दीदियों का हुआ सम्मान

रायगढ़। सुशासन तिहार 2026 के अंतर्गत ग्राम पंचायत बड़े भंडार में आयोजित शिविर में जिला स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) रायगढ़ द्वारा जनपद पंचायत पुसौर अंतर्गत ग्राम पंचायत बरपाली एवं कोतमरा की स्वच्छग्राही दीदियों को उत्कृष्ट कार्यों के लिए स्वच्छता किट एवं प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के दौरान स्वच्छता के क्षेत्र में सक्रिय योगदान देने वाली महिलाओं की सराहना करते हुए उन्हें गांवों में स्वच्छता जागरूकता बढ़ाने, ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबंधन को प्रभावी बनाने तथा स्वच्छ भारत मिशन के क्रियान्वयन हेतु प्रेरित किया गया।

रायगढ़ आईटीआई में प्रवेश हेतु 15 जून तक आवेदन

रायगढ़। शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था रायगढ़ में सत्र जून 2026 के लिए विभिन्न ट्रेडों में प्रवेश हेतु ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया 29 मई से प्रारंभ होने जा रही है। इच्छुक अभ्यर्थी 15 जून 2026 तक संचालनालय के पोर्टल cgiti.admissions.nic.in पर जाकर अपना ऑनलाइन आवेदन जमा कर सकेंगे। इस वर्ष विद्युतकार, फिटर, टर्नर, मोटर मैकेनिक, मशीनिष्ट, वायरमेन, इलेक्ट्रॉनिक्स मैकेनिक, वेल्डर, फाउण्ड्रीमेन, वुड वर्क टेक्निशियन, सेक्रेटियल प्रैक्टिस (अंग्रेजी), फिजियोथेरेपी टेक्निशियन, आरएसी, ड्राइवर कम मैकेनिक, कोपा तथा असिस्टेंट टेक्निशियन ड्राई वॉल एंड फॉल सिलिंग ट्रेड में प्रवेश दिया जाएगा।

लोक निर्माण विभाग ने की विकास कार्यों की समीक्षा

शहर के बीच बनने वाली सड़कों के नीचे किया जाएगा अंडर ग्राउंड केबल और पाइपलाइन का भी प्रावधान

- प्राथमिकता सूची तैयार करने के दिए निर्देश
- 31 जुलाई तक प्राक्कलन भेजने को कहा

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। लोक निर्माण विभाग के सचिव मुकेश कुमार बंसल ने रायपुर परिक्षेत्र के दोनों मंडलों के कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने नवा रायपुर में पीडब्लूडी मुख्यालय निर्माण भवन में आयोजित बैठक में अधिकारियों से दोनों मंडलों में स्वीकृत, निर्माणाधीन और निविदा प्रक्रिया की प्रगति की जानकारी ली और आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने बरसात के पहले सभी सड़कों की मरम्मत कर उन्हें गड्ढामुक्त करने को कहा। लोक निर्माण विभाग के प्रमुख अभियंता वीके भतपहरी, मुख्य अभियंता पीएम कश्यप और टीआर कुंजाम भी बैठक में मौजूद थे।

लोक निर्माण विभाग के सचिव ने बैठक में अधिकारियों को चालू वित्तीय वर्ष 2026-27 और पिछले वित्तीय वर्ष 2025-26 में स्वीकृत कार्यों की प्राथमिकता सूची तैयार कर 10 जून तक भेजने के निर्देश दिए। उन्होंने 31 जुलाई तक इन सभी कार्यों के प्राक्कलन भी भेजने को कहा। उन्होंने शासकीय राशि के सदुपयोग और निर्माण कार्यों से ज्यादा से ज्यादा नागरिकों को लाभान्वित करने विभाग द्वारा किए जा रहे कार्यों की पूर्ण उपयोगिता व टिकाऊपन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने हर निर्माण कार्य में निर्माण और निर्माण सामग्री की गुणवत्ता पर जोर देते हुए कार्यों को समय-सीमा में पूर्ण करने को कहा।

विभागीय सचिव ने अनुविभागीय अधिकारियों से लेकर प्रमुख अभियंता तक सभी अधिकारियों को प्रत्येक मंगलवार को दिनभर मुख्यालय में ही रहने के निर्देश दिए।

उन्होंने रायपुर परिक्षेत्र में भवन और सड़क निर्माण के कार्यों की प्रगति की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को भविष्य की जरुरतों के अनुरूप सभी सड़क खंडों पर फ्लाई-ओवर्स की समग्र योजनाओं के साथ काम करने के निर्देश दिए। उन्होंने सड़क चौड़ीकरण की परियोजनाओं में पुल-पुलियों तथा राष्ट्रीय राजमार्ग का हिस्सा पड़ने पर उनके भी चौड़ीकरण की कार्ययोजना के साथ काम करने को कहा।

श्री बंसल ने कहा कि गुणवत्ता और समय-सीमा में काम सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। विभागीय अधिकारी अपने सुव्यवस्थित और समयबद्ध कार्यों से नागरिकों और जनप्रतिनिधियों के बीच विभाग की अच्छी छवि बनाएं। सभी कार्यों को पूरी जवाबदेही, सक्रियता और गंभीरता से अंजाम दें। उन्होंने रायपुर और नवा रायपुर में कार्यों की सहूलियत और विभाग के कार्यों में प्रशासनिक कसावट के लिए रायपुर मंडल क्रमांक-1 के चारों संभागों को पुनर्गठित कर कार्यक्षेत्रों का नए सिरे से विभाजन करने को कहा।

उन्होंने विभागीय अधिकारियों को शहर के बीच बनने वाली सड़कों के निर्माण के पहले संबधित नगरीय निकाय से समन्वय कर भविष्य के लिए नालियों, अंडरग्राउंड केबल फिटिंग, पाइपलाइन इत्यादि के लिए अग्रिम प्रावधान करने को कहा, ताकि सड़कों की बार-बार खुदाई की जरूरत न पड़े। उन्होंने अधिकारियों को परफार्मेंस गारंटी वाली सड़कों में सुधार की जरूरत पर संबंधित ठेकेदारों से तत्काल मरम्मत कराने को कहा।

सचिव ने नई सड़कों के प्रस्ताव तैयार करते समय अगले दस वर्षों के ट्रैफिक, आबादी की जरूरत और आसपास संभावित विकास परियोजनाओं को ध्यान में रखने को कहा। उन्होंने भवनों में अच्छी गुणवत्ता की निर्माण सामग्री, खिड़की, दरवाजे, टाइल्स, पेंट, पुट्टी, सेनिटरी फिटिंग, नल, इलेक्ट्रिक फिटिंग, सभी भवनों में दिव्यांगों के लिए रैंप और रेलिंग के भी प्रावधान करने के निर्देश दिए।

पैडी डायवर्सन मॉडल से बदली किसानों की तकदीर, हुए आत्मनिर्भर

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। छत्तीसगढ़ शासन के छत्तीसगढ़ आदिवासी, स्थानीय स्वास्थ्य परंपरा एवं औषधि पादप बोर्ड की अभिनव पहल 'पैडी डायवर्सन मॉडल' किसानों के लिए आर्थिक समृद्धि का नया मार्ग प्रशस्त कर रही है। पारंपरिक धान की खेती में बढ़ती लागत और सीमित लाभ से जूझ रहे कृषकों के लिए यह योजना एक बेहद सफल और व्यावहारिक विकल्प बनकर उभरी है। इस मॉडल के अंतर्गत किसानों को धान के स्थान पर औषधीय पौधों वच और ब्राह्मी की खेती के लिए प्रोत्साहित किया गया।

बोर्ड की इस महत्वाकांक्षी योजना के तहत धमतरी, नारायणपुर, कोंडागांव, बस्तर और रायपुर जिले के 23 गांवों को शामिल किया गया है। इन जिलों के 147 किसानों ने कुल 65 एकड़ भूमि पर पारंपरिक खेती को छोड़कर औषधीय फसलें उगाने में सफलता हासिल की है। वच की खेती 63 किसानों द्वारा 39 एकड़ क्षेत्र में और ब्राह्मी का उत्पादन 84 किसानों द्वारा 26 एकड़ क्षेत्र में किया जा रहा है।

धमतरी जिला बना सफलता का रोल मॉडल

इस योजना के क्रियान्वयन और सफलता में धमतरी जिला सबसे अग्रणी रहा है। धमतरी के 16 गांवों के 90 किसानों ने 27.50 एकड़ भूमि पर वच और ब्राह्मी की खेती कर रिकॉर्ड उत्पादन हासिल किया है। रायपुर जिले के 2 गांवों के 35 किसानों ने भी 11.50 एकड़ में औषधीय खेती अपनाकर शानदार लाभ अर्जित किया है। इसके अतिरिक्त नारायणपुर, कोंडागांव और बस्तर जैसे आदिवासी बहुल व सुदूर क्षेत्रों के किसानों ने भी इस मॉडल को अपनाकर आय में वृद्धि की है।

सुशासन तिहार में डाड़गांव की संपतिया को मिली 20 हजार रुपए की आर्थिक सहायता

श्रीकंचनपथ समाचार

सरगुजा। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में संचालित जनकल्याणकारी योजनाएं जरूरतमंद परिवारों के लिए संकट की घड़ी में संबल साबित हो रही हैं। सुशासन तिहार 2026 के अंतर्गत ग्रामीण क्षेत्रों में आयोजित जनसमस्या निवारण शिविरों के माध्यम से पात्र हितग्राहियों को त्वरित सहायता उपलब्ध कराई जा रही है। इसी क्रम में जिले के उदयपुर विकासखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत डाड़गांव निवासी निराश्रित महिला श्रीमती संपतिया को राष्ट्रीय परिवार सहायता योजना के तहत 20 हजार रुपये की आर्थिक सहायता राशि स्वीकृत की गई।

श्रीमती संपतिया के पति के आकस्मिक निधन के बाद परिवार के सामने भरण-पोषण का गंभीर संकट उत्पन्न हो गया था। परिवार के मुख्य कमाऊ सदस्य के निधन से वे आर्थिक और मानसिक रूप से काफी परेशान थीं। ऐसे कठिन समय में शासन की राष्ट्रीय परिवार सहायता योजना उनके लिए बड़ी राहत बनकर सामने आई। प्रशासन द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए उन्हें सहायता राशि का लाभ प्रदान किया गया, जिससे परिवार को तत्काल आर्थिक संबल मिला।

जताया आभार

सहायता राशि प्राप्त होने पर संपतिया ने मुख्यमंत्री और जिला प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने भावुक होकर कहा कि पति के निधन के बाद वे पूरी तरह असहाय हो गई थीं, लेकिन सुशासन तिहार के माध्यम से उन्हें समय पर सहायता मिली, जिससे कठिन परिस्थिति में परिवार को सहारा मिला है। सुशासन तिहार के माध्यम से शासन की योजनाएं अंतिम व्यक्ति तक पहुंच रही हैं और जरूरतमंद परिवारों को त्वरित राहत एवं सहायता उपलब्ध कराकर संवेदनशील प्रशासन की भावना को साकार किया जा रहा है।

एनएचएआई ने 1033 की सुविधाओं में किया विस्तार

रायपुर। भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) की परियोजना कार्यान्वयन इकाई, बिलासपुर द्वारा अत्याधुनिक आपातकालीन चिकित्सा एम्बुलेंस सेवाओं का शुभारंभ किया गया है। इन्हें राष्ट्रीय राजमार्ग- 49 पर बिलासपुर से रायगढ़ के बीच सफर करने वाले यात्रियों की आपातकालीन सहायता के लिए पाराघाट टोल प्लाजा और केसला टोल प्लाजा पर तैनात किया गया है। परियोजना निदेशक मुकेश कुमार ने कहा कि हमारा मुख्य उद्देश्य राजमार्गों पर किसी भी आपात स्थिति में राहगीरों को तत्काल सहायता उपलब्ध कराना है। उन्होंने नागरिकों से अपील की है कि अगली बार जब आप राजमार्गों पर किसी लंबे सफर पर निकलें, तो अपनी गाड़ी की तकनीकी जांच करने के साथ-साथ अपने मोबाइल की स्पीड डायल लिस्ट में 1033 नंबर को जरूर सेव कर लें।

8 जून से आईएचएम का समर कलिनरी बूटकैंप कौशल निर्माण और करियर का शानदार संगम

- बेकिंग, इंटरनेशनल कुज़ीन और मॉकटेल्स की प्रोफेशनल ट्रेनिंग के साथ युवाओं को मिलेगा सर्टिफिकेट

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। होटल मैनेजमेंट, फूड स्टार्टअप, बेकरी या होम किचन बिजनेस में करियर बनाने की इच्छा रखने वाले युवाओं के लिए एक सुनहरा अवसर सामने आया है। इंस्टीट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट (आईएचएम), नया रायपुर द्वारा 8 जून से 16 जून 2026 तक समर कलिनरी बूटकैंप-2026 का आयोजन किया जा रहा है।

यह विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम विद्यार्थियों, फूड एंथूजियास्ट्स, होम शेफ्स और उभरते हुए शेफ्स को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। बूटकैंप का मुख्य उद्देश्य प्रतिभागियों को आधुनिक पाक कला और बेवरेज क्राफ्टिंग की व्यावहारिक समझ देना है। सभी सत्र अनुभवी हॉस्पिटैलिटी विशेषज्ञों और प्रोफेशनल शेफ्स के मार्गदर्शन में 100 प्रतिशत प्रैक्टिकल आधारित होंगे। कोर्स पूरा करने के बाद प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र भी दिया जाएगा।

ट्रेनिंग शेड्यूल

8 से 16 जून बूटकैंप के तहत हर दिन एक नया फ्लेवर और नई तकनीक सीखने को मिलेगी। 8 जून हेल्दी कुकीज- मल्टीग्रेन, मिलेट, ओट और पीनट बटर कुकीज की बेकिंग बनाने की तकनीक सीखने को मिलेगी। इसी प्रकार 9 जून चॉकलेट बेकिंग ब्लॉन्डी, डोनट, बर्लिनर और चॉकलेट जैगरी होल व्हीट लोफ, 10 जून कपकेक्स एवं मफिन्स-रेड वेलवेट, चॉकलेट, वनीला कैरेमल कपकेक्स और ब्लूबेरी-एप्पल सिनेमन मफिन्स, 11 जून फ्रेश पास्ता प्रिपरेशन- हैंडमेड पास्ता, लजान्या, फेटुचिनी और विभिन्न सॉसेस बनाने की तकनीक सीखने को मिलेगी। 12 जून मैक्सिकन कुजीन-टैकोस, बरीटोज, केसाडिलास, फजितास और स्पेशल साल्सा, 15 जून इंडियन स्ट्रीट फूड- काठी रोल्स, ग्रिल्ड कॉटेज चीज शावरमा, ह्यूमस और गार्लिक एओली, 16 जून मॉकटेल्स एवं बेवरेज क्राफ्टिंग- क्लासिक मॉकटेल्स, स्मूदीज, लेयर्ड ड्रिंक्स और गार्निशिंग बनाने की तकनीक सीखने को मिलेगी।

समय और शुल्क संरचना

सभी प्रशिक्षण कार्यक्रम एक दिवसीय होंगे। अधिकांश सत्र प्रातः 10 बजे से दोपहर 3 बजे तक चलेंगे, जबकि अंतिम दिन का मॉकटेल्स सत्र प्रातः 11 बजे से दोपहर एक बजे तक आयोजित की जाएगी। प्रशिक्षण कार्यक्रम के लिए निर्धारित शुल्क इंडियन स्ट्रीट फूड 799 रूपए, मॉकटेल्स एवं बेवरेज क्राफ्टिंग 549 रूपए अन्य सभी व्यक्तिगत सत्र 999 प्रति कोर्स निर्धारित की गई है।

बिजनेस और स्किल डेवलपमेंट का मंच

यह बूटकैंप सिर्फ खाना पकाना सिखाने तक सीमित नहीं है, बल्कि रचनात्मकता, फूड प्रेजेंटेशन, प्रोफेशनल किचन मैनेजमेंट और हॉस्पिटैलिटी इंडस्ट्री से जुड़ी व्यावसायिक समझ विकसित करने का भी एक उत्कृष्ट जरिया बनेगा।

कैसे करें आवेदन

इच्छुक प्रतिभागी संस्थान की आधिकारिक वेबसाइट www.ihm-raipur.ac.in पर जाकर ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन करा सकते हैं। अधिक जानकारी या विस्तृत पूछताछ के लिए कार्यालयीन समय पर मोबाइल नंबर 94395-95155 एवं 96197-26323 पर संपर्क किया जा सकता है।

मनरेगा के तहत 2588 कार्य स्वीकृत, ग्रामीणों को मिला रोजगार

श्रीकंचनपथ समाचार

कबीरधाम। जिले में महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना अंतर्गत ग्रामीणों को बड़ी संख्या में रोजगार का अवसर मिल रहा है। वर्तमान में 68 हजार 970 से अधिक पंजीकृत ग्रामीणों को रोजगार मिल रहा है। जिले के विभिन्न ग्राम पंचायतो में 2588 निर्माण कार्य प्रगति पर है।

चालू वित्तीय वर्ष 2026-27 में कबीरधाम जिले के जनपद पंचायत बोड़ला, कवर्धा, पंडरिया एवं सहसपुर-लोहारा क्षेत्र के ग्रामीणों को अभी तक 9 लाख 36 हजार मानव दिवस का रोजगार प्राप्त हो चुका है तथा रोजगार देने का सिलसिला निरंतर जारी है।

इन कार्यों के लिए ग्रामीणों को प्रतिदिन 261 रुपए के दर से मजदूरी का भुगतान प्राप्त हो रहा है जो उन्हें आर्थिक रूप से मजबूत बना रहा है।

उल्लेखनीय है कि जिले के सभी ग्राम पंचायतो में पर्याप्त मात्रा में निर्माण कार्य मनरेगा योजना के अंतर्गत स्वीकृत किए गए हैं तथा ग्रामीणों की मांग पर कार्य प्रारंभ कर रोजगार दिया जा रहा है। नवा तरिया आय के जरिया, आजीविका डबरी, सामुदायिक डबरी, नए तालाबों का निर्माण, अमृत सरोवर, सोकपिट निर्माण, पुराने तालाबों का गहरीकरण सहित अनेक जल संवर्धन के कार्यों के साथ स्थाई परिसंपत्तियों का निर्माण हो रहा है।

महात्मा गांधी नरेगा अंतर्गत जहां इन कार्यों से एक ओर ग्रामीणों को रोजगार मिल रहा है तो वहीं दूसरी ओर स्थाई परिसंपत्ति के निर्माण से आजीविका के नए स्रोत खुले हैं।

इस संबंध में चर्चा करते हुए कलेक्टर कबीरधाम श्री गोपाल वर्मा ने बताया कि जिले के सभी ग्राम पंचायतो में पर्याप्त कार्य स्वीकृत है। ग्रामीणों की मांग पर तत्काल नए कार्य खोले जा रहे हैं। सभी सीईओ जनपद पंचायत को निर्देश दिए गए हैं कि अधिक से अधिक ग्रामीणों को रोजगार उपलब्ध कराये।

हमारी प्राथमिकता है कि वर्षा ऋतु के पूर्व जल संग्रहण के सभी कार्यों को पूर्ण कर लिया जा, जिससे कि वर्षा जल संग्रहित होकर भू-जल स्तर को बेहतर बनाने में मदद मिल सके। निर्माण कार्यों की नियमित समीक्षा हो रही है और कार्य गुणवत्ता के साथ समय पर पूरा हो इसका विशेष ध्यान रखा जा रहा है।

मोर गांव मोर पानी महाअभियान से जल संरक्षण को मिली नई दिशा, बढ़ने लगा भूजल स्तर, 497 चेकडैम स्वीकृत

श्रीकंचनपथ समाचार

सरगुजा। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में प्रदेश में जल संरक्षण एवं भू-जल संवर्धन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से मनरेगा अंतर्गत संचालित 'मोर गांव मोर पानी महाअभियान' के तहत व्यापक स्तर पर लूज बोल्डर चेक डैम निर्माण कार्य किए जा रहे हैं। अभियान के अंतर्गत विभिन्न ग्रामीण क्षेत्रों में वर्षा जल संचयन और जल स्रोतों के पुनर्भरण के लिए कुल 497 लूज बोल्डर चेक डैम स्वीकृत किए गए हैं, जिनमें से 139 कार्य पूर्ण हो चुके हैं तथा 253 स्थानों पर निर्माण कार्य प्रगति पर है।

सरगुजा जिले के सभी 7 विकासखंडों अम्बिकापुर, लुण्ड्रा, सीतापुर, बतौली, मैनपाट, उदयपुर और लखनपुर में इन संरचनाओं का निर्माण कराया जा रहा है। इनका मुख्य उद्देश्य वर्षा जल को गांवों में ही रोककर भू-जल पुनर्भरण को बढ़ावा देना तथा स्थानीय जल स्रोतों को सशक्त बनाना है।

नालों में निर्मित किए जा रहे लूज बोल्डर चेक डैम वर्षा जल के बहाव को नियंत्रित कर उसके ठहराव समय को बढ़ाते हैं, जिससे अधिक मात्रा में पानी जमीन में रिसकर भू-जल स्तर को बढ़ाने में सहायक होता है। इससे गर्मी के मौसम में सूखने वाले हैंडपंपों एवं कुओं में वर्षभर पानी की उपलब्धता सुनिश्चित होगी। साथ ही कृषि कार्यों के लिए अतिरिक्त जल उपलब्ध होने से रबी एवं ग्रीष्मकालीन फसलों को भी लाभ मिलेगा।

यह संरचनाएं पहाड़ी एवं ढलान वाले क्षेत्रों में मिट्टी कटाव रोकने में भी प्रभावी साबित हो रही हैं। स्थानीय स्तर पर उपलब्ध पत्थरों से ही कम लागत में निर्मित ये चेक डैम ग्रामीण क्षेत्रों के लिए वरदान बन गए हैं और ''वाटर रिचार्ज बैंक'' के रूप में कार्य कर रहे हैं।

अभियान के तहत निर्माण कार्यों से बड़ी संख्या में ग्रामीण श्रमिकों को मनरेगा के माध्यम से स्थानीय स्तर पर रोजगार भी उपलब्ध हो रहा है। मानसून पूर्व अधिकतम लूज बोल्डर चेक डैम पूर्ण करने का लक्ष्य रखा गया है, ताकि इस वर्ष होने वाली वर्षा का अधिकतम जल संचयन सुनिश्चित किया जा सके।

मद्देड़ तालाब के जीर्णोद्धार से सिंचित होगा 530 हेक्टेयर खेत, खुशहाल होंगे किसान

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। बीजापुर जिले के विकासखंड भोपालपटनम में जल संसाधन विभाग द्वारा मद्देड़ तालाब के जीर्णोद्धार कार्य को तेजी से पूरा किया जा रहा है। लगभग 370.55 लाख रुपये की लागत से स्वीकृत यह महत्वपूर्ण परियोजना क्षेत्र के किसानों के लिए नई उम्मीद लेकर आई है।

यह कार्य 23 दिसंबर 2024 से प्रारंभ हुआ था और अब तक 71 प्रतिशत कार्य पूर्ण किया जा चुका है। योजना के पूर्ण होने के बाद क्षेत्र में सिंचाई सुविधा मजबूत होगी और किसानों की खेती को नई दिशा मिलेगी।

मद्देड़ तालाब के जीर्णोद्धार से ग्राम तमलापल्ली, मद्देड़, संगमपल्ली और बारेगुड़ा के लगभग 299 किसानों को सीधा लाभ मिलेगा। इस परियोजना के माध्यम से 530 हेक्टेयर कृषि भूमि को सिंचाई सुविधा उपलब्ध होगी, जिससे किसानों को समय पर पानी मिल सकेगा और खेती अधिक उत्पादक बनेगी।

यह तालाब केवल सिंचाई का साधन नहीं होगा, बल्कि क्षेत्र में जल संरक्षण और जल संवर्धन को भी मजबूत करेगा। तालाब के पुनर्जीवन से ग्रामीणों को वर्षभर पानी की उपलब्धता सुनिश्चित होगी। साथ ही निस्तारी जैसी मूलभूत जरूरतों को पूरा करने में भी मदद मिलेगी।

क्षेत्र के किसानों में इस योजना को लेकर उत्साह है। ग्रामीणों का मानना है कि तालाब के जीर्णोद्धार से खेती की स्थिति बेहतर होगी और आने वाले समय में उत्पादन के साथ आय में भी वृद्धि होगी। इससे किसानों को फसल विविधीकरण और बेहतर कृषि प्रबंधन का अवसर मिलेगा।

छोटी सी गलती की भी गुंजाइश नहीं, हैदराबादी लहजा सीखने के लिए हंसिका मोटवानी ने की घंटों प्रैक्टिस

फिल्मों में किसी किरदार को निभाना सिर्फ कैमरे के सामने अभिनय करना नहीं होता, बल्कि उस किरदार की सोच, रहन-सहन और बोलने के तरीके को पूरी तरह अपनाना भी होता है। कई कलाकार अपने किरदार को असली दिखाने के लिए महीनों तक तैयारी करते हैं। अभिनेत्री हंसिका मोटवानी भी इन दिनों कुछ ऐसी ही मेहनत करती नजर आ रही हैं। वह नई वेब सीरीज गली में अपने किरदार के लिए हैदराबाद की खास बोली और लहजे को सीखने पर काम कर रही है।

अपने किरदार की तैयारी को लेकर हंसिका मोटवानी ने कहा, मुझे इस किरदार के लिए डायलॉग्स बोलने के तरीके पर सबसे ज्यादा काम करना पड़ा। सीरीज की कहानी हैदराबाद के पुराने शहर और चारमीनार इलाके के आसपास की दुनिया को दिखाती है, इसलिए मेरे लिए वहां की बोली को सही तरीके से समझना बेहद जरूरी था। मैं चाहती हूं कि मेरे डायलॉग्स बिल्कुल असली लगें और दर्शकों को ऐसा महसूस हो कि मेरा किरदार उसी माहौल का हिस्सा है।

हंसिका मोटवानी ने कहा, मैंने किसी डायलॉग ट्रेनर की मदद नहीं ली। मैंने खुद मेहनत करके अपनी तैयारी की। हालांकि, पूरी टीम साथ बैठकर कई बार वर्कशॉप करती थी, ताकि हर डायलॉग और हर शब्द सही तरीके से बोला जा सके। टीम के साथ बैठकर बार-बार डायलॉग्स पढ़ने और बोलने से मुझे काफी मदद मिली। इससे भाषा की बारीकियों को समझने का मौका मिला।

हंसिका ने आगे कहा, यह अनुभव मेरे लिए बिल्कुल नया था। मैंने पहले कभी इस तरह की बोली या लहजे में काम नहीं किया। यही वजह थी कि शुरुआत में मुझे काफी प्रैक्टिस करनी पड़ी। किसी खास बोली में अभिनय करना आसान नहीं होता, क्योंकि अगर एक छोटा सा शब्द भी गलत बोल दिया जाए तो वह तुरंत लोगों को महसूस हो जाता है। छोटी सी गलती भी दर्शकों के तुरंत पकड़ में आ जाती है, इसलिए मैं हर शब्द के उच्चारण और बोलने के अंदाज को लेकर बहुत सावधान रहती थी।

उन्होंने कहा, इस किरदार को निभाते समय मैं यह भी समझने की कोशिश कर रही थीं कि उस इलाके के लोग कैसे बात करते हैं, कैसे अपनी भावनाएं व्यक्त करते हैं और किस तरह का लहजा इस्तेमाल करते हैं। जब तक कलाकार किरदार की भाषा को सही तरीके से नहीं समझता, तब तक वह उस किरदार के साथ पूरी तरह न्याय नहीं कर सकता।

फिल्म अल्फा के लिए आलिया भट्ट की बड़ी तैयारी, पहली बार दिखेगा खतरनाक अवतार

यशराज फिल्म्स की पहली महिला सुपरहीरो फिल्म अल्फा 2026 में तहलका मचाने के लिए तैयार है। फिल्म का बेसब्री से इंतजार कर रहे फैंस के लिए एक बड़ी जानकारी सामने आई है, जो उन्हें उत्साहित कर देगी। दरअसल, फिल्म में आलिया भट्ट के किरदार को लेकर एक चौंकाने वाला खुलासा हुआ है। जिन लोगों को लगता है कि अभिनेत्री इसमें एक जासूस की भूमिका में होंगी, उनका अंदाजा बिल्कुल गलत है। दरअसल आलिया फिल्म में एक खतरनाक अवतार में दिखेंगी।

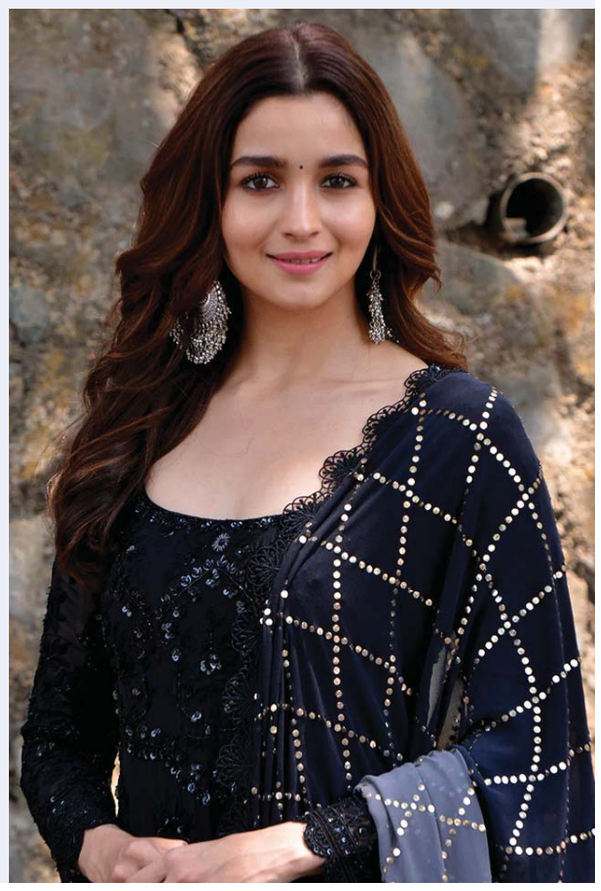

रिपोर्ट के मुताबिक, अल्फा में आलिया एक जासूस नहीं, बल्कि हत्यारे के किरदार में नजर आएंगी। फिल्म में ऐसी लड़की की कहानी दिखाई जाएगी, जिसे बचपन से हत्यारा बनने के लिए पाला-पोसा गया है। परियोजना से जुड़े सूत्र ने बताया कि निर्माता आदित्य चोपड़ा पहली बार एक ऐसी मूल कहानी दे रहे हैं, जो एक ऐसे किरदार से परिचय कराती है जो ग्रे शेड का है। एक तरह से एंटी-हीरो है। यह निश्चित रूप पर दर्शकों को चौंका देगा।

अल्फा से जुड़े इस खुलासे ने सोशल मीडिया पर हलचल मचा दी है। आलिया की तुलना मार्वल सिनेमैटिक यूनिवर्स में स्कारलेट जोहानसन द्वारा निभाए गए ब्लैक विडो के किरदार से हो रही है। वैसे यह कोई नई बात नहीं है, क्योंकि पिछले साल से सोशल मीडिया यूजर्स अल्फा की तुलना मार्वल फ्रैंचाइजी से करते आ रहे हैं और इसे ब्लैक विडो की नकल बता रहे हैं। 10 जुलाई को आ रही फिल्म में शरवरी और बॉबी देओल भी नजर आएंगे।

रितेश देशमुख की राजा शिवाजी ने रच दिया इतिहास, रिलीज के 25 दिनों में बना डाले ये 5 बड़े रिकॉर्ड्स

रितेश देशमुख स्टारर और निर्देशित ऐतिहासिक ड्रामा फिल्म 'राजा शिवाजी' सिनेमाघरों में एक मई को रिलीज हुई थी। तब से ये फिल्म बॉक्स ऑफिस पर गदर मचा रही है। धुआंधार कमाई के साथ ही इस फिल्म ने कई उपलब्धियां भी अपने नाम कर ली है। चलिए यहां इस रिपोर्ट में जानते हैं 'राजा शिवाजी' ने कौन से पांच बड़े रिकॉर्ड बनाए हैं?

'राजा शिवाजी' सिनेमाघरों में मराठी और हिंदी भाषा में रिलीज हुई थी। इसे दर्शकों से खूब प्यार मिला है। फिल्म में रितेश देशमुख के अलावा जेनेलिया डिसूजा, अभिषेक बच्चन, संजय दत्त और विद्या बालन सहित कई कलाकारों ने अहम रोल प्ले किया है। फिल्म में सलमान खान ने भी कैमियो किया है। 'राजा शिवाजी' रिलीज के पहले दिन से बॉक्स ऑफिस पर छाई हुई है और ये चौथे हफ्ते में भी खूब कमाई कर रही है। फिल्म के कलेक्शन की बात करें तो मेकर्स के मुताबिक इस फिल्म ने रिलीज के 24 दिनों में भारत में 101.4 करोड़ की कमाई कर ली है। इस फिल्म ने भारतीय बॉक्स ऑफिस पर 100 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार करने वाली पहली मराठी फिल्म बनकर मराठी सिनेमा में एक नया चैप्टर लिख दिया है।

'राजा शिवाजी' मराठी सिनेमा के इतिहास में भारत में 100 करोड़ का आंकड़ा पार करने वाली पहली फिल्म बन गई है.

'राजा शिवाजी' ने मराठी की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म सैराट के 90 करोड़ के कलेक्शन को मात दे दी है और ये मराठी की हाईस्ट ग्रॉसिंग फिल्म का रिकॉर्ड भी अपने नाम कर चुकी हैं।

'राजा शिवाजी' वर्ल्डवाइड 114 करोड़ से ज्यादा की कमाई कर दुनियाभर में ऑल टाइम हाईएस्ट ग्रॉसिंग फिल्म बन गई है।

ऐतिहासिक ड्रामा आधिकारिक तौर पर रितेश देशमुख के शानदार करियर की 10वीं 100 करोड़ की कमाई करने वाली फिल्म बन गई है। उनकी पिछली 100 करोड़ की कमाई करने वाली 9 बॉलीवुड मल्टीस्टारर कमर्शियल फिल्में थी। वहीं खुद से निर्देशित क्षेत्रीय फिल्म के साथ यह मुकाम हासिल करना एक शानदार उपलब्धि है।

'राजा शिवाजी' ने रिलीज के पहले दिन 11.7 करोड़ से शुरुआत की थी और इसी के साथ ये मराठी सिनेमा की सबसे अपनी ओपनिंग करने वाली फिल्म बन गई थी।

'सिट्रीन टेरेन' गाउन में जैकलीन फर्नांडिस का स्टनिंग लुक

फ्रेंच रिवेरा के बीच पर दिए सिजलिंग पोज

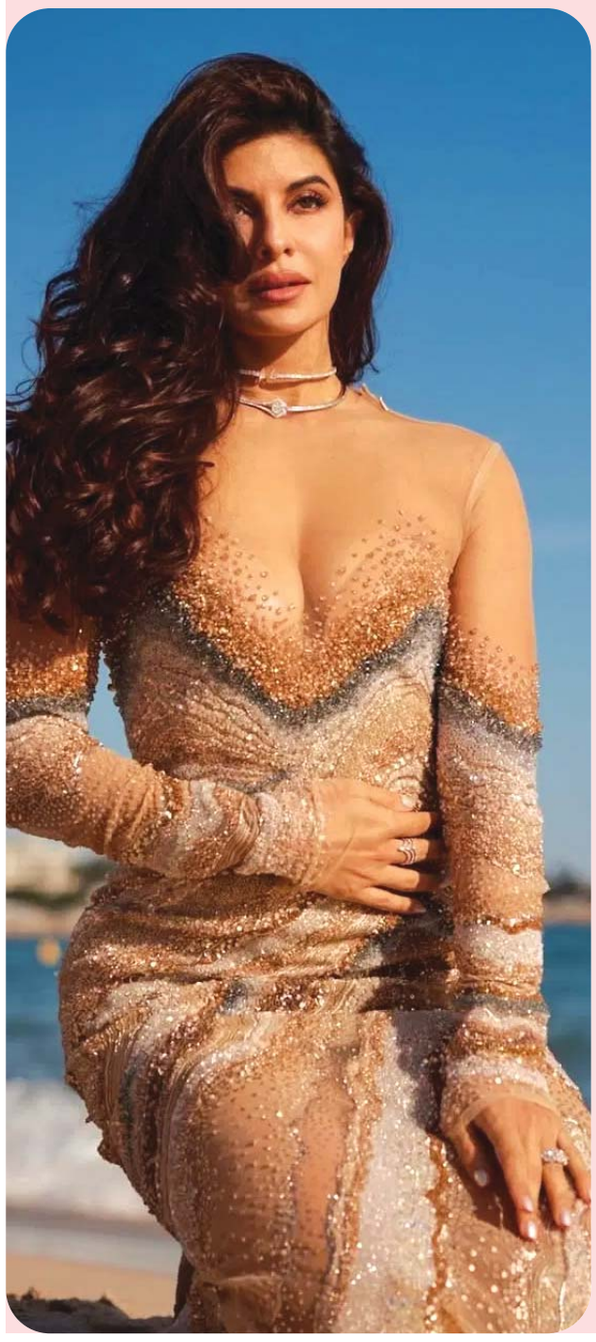

कान फिल्म फेस्टिवल 12 मई से 23 मई तक चला, जो अब खत्म हो चुका है। वहीं अब फ्रेंच रिवेरा से जैकलीन फर्नांडिस का एक नया लुक सामने आया है, जो किसी के भी होश उड़ा देगा। इंडियन फैशन डिजाइनर राहुल मिश्रा के स्टाइलिश गाउन में जैकलीन फर्नांडिस का एक नया लुक सामने आया है। इस नए लुक में जैकलीन ने फ्रेंच रिवेरा के सामने कई सिजलिंग पोज दिए हैं, जो अब फैंस के बीच जमकर वायरल हो रहा है।

जैकलीन फर्नांडिस ने अपनी तस्वीरें इंस्टाग्राम पर शेयर की हैं। इसके साथ ही जैकलीन की कुछ तस्वीरें फैशन डिजाइनर राहुल मिश्रा ने भी अपने सोशल मीडिया हैंडल पर शेयर की हैं। जैकलीन की इन तस्वीरों पर फैंस जमकर प्यार बरसा रहे हैं।

जैकलीन फर्नांडिस के लुक की बात करें तो उन्होंने जो गाउन पहना है, उस पर बारीक धागों की कढ़ाई, क्रिस्टल, मोती और सितारे (सीक्वेंस) जड़े हैं। यह गाउन सिट्रीन (सुनहले) पत्थर की तरह चमकता है।

राहुल मिश्रा ने बताया कि यह उनके स्प्रिंग 2026 कॉउचर कलेक्शन 'एल्केमी' का हिस्सा है, जिसका नाम 'सिट्रीन टेरेन' गाउन है। यह डिजाइन धरती के तत्वों और प्रकृति से प्रेरित है।

जैकलीन के इस लुक की स्टाइलिंग नमिता अलेक्जेंडर ने की है। वहीं जैकलीन का सटल मेकअप और हेयर शान मु ने किया है। जैकलीन का ये लुक उनके फैंस लाल दिल और फायर इमोजी बना रहे हैं।

जैकलीन फर्नांडिस 2006 की मिस यूनिवर्स श्रीलंका विजेता हैं। श्रीलंकाई, कनाडाई और मलेशियाई मूल के परिवार में जन्मीं जैकलिन ने सिडनी विश्वविद्यालय से जनसंचार में डिग्री हासिल की है। उन्होंने बॉलीवुड में अपनी पहचान कई सुपरहिट फिल्मों के जरिए बनाई है।

जैकलीन ने 2009 में सुजॉय घोष की फिल्म 'अलादीन' से अपने अभिनय करियर की शुरुआत की थी। उन्हें मुख्य रूप से सफलता और लोकप्रियता 'मर्डर 2', 'हाउसफुल 2', 'हाउसफुल 3', 'रेस 2', 'किक' और 'जुड़वां 2' जैसी फिल्मों से मिली है।

जैकलीन जल्द ही फिल्म 'वेलकम टू द जंगल' में नजर आएंगी। 'वेलकम टू द जंगल' या फिर 'वेलकम 3' एक बहुप्रतीक्षित हिंदी एक्शन-कॉमेडी फिल्म है, जो 26 जून 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज हो सकती है। इस फिल्म का निर्देशन अहमद खान ने किया है।

इस फिल्म में अक्षय कुमार, सुनील शेट्टी, संजय दत्त, अरशद वारसी, परेश रावल, रवीना टंडन, लारा दत्ता, जैकलीन फर्नांडीज, जॉनी लीवर, राजपाल यादव, तुषार कपूर और दिशा पाटनी सहित कई जाने-माने सितारे मुख्य भूमिकाओं में हैं।

इस फिल्म में अक्षय कुमार एक नए भोजपुरी अभिनेता के अवतार में नजर आए। हाल ही में रिलीज हुआ उनका और अक्षरा सिंह का 'घिस-घिस' गाना और डांस काफी चर्चा में है। 'वेलकम 3' फिल्म का निर्माण फिरोज ए. नडियाडवाला द्वारा जियो स्टूडियोज के बैनर तले किया गया है।

क्या गर्मियों में कोल्ड ड्रिंक पीने से पेट की समस्याएं हो सकती हैं?

गर्मियों के दौरान ठंडे पेय पदार्थ का सेवन करना कई लोगों को पसंद होता है, खास तौर पर कोल्ड ड्रिंक का। हालांकि, कुछ लोग मानते हैं कि गर्मी के दौरान कोल्ड ड्रिंक पीने से पेट की समस्याएं हो सकती हैं। क्या वाकई ऐसा होता है? इस लेख में हम इसी भ्रम की सच्चाई जानेंगे और समझेंगे कि क्या वास्तव में कोल्ड ड्रिंक का सेवन करने से पेट की समस्याएं होती हैं या यह सिर्फ एक गलत धारणा है।

कोल्ड ड्रिंक में मौजूद तत्व

कोल्ड ड्रिंक में ज्यादा मात्रा में चीनी और नकली फ्लेवर होते हैं, जो सेहत के लिए हानिकारक हो सकते हैं। इन तत्वों के कारण वजन बढ़ना, शुगर यानि मधुमेह की बीमारी का खतरा और दांतों की समस्याएं हो सकती हैं। हालांकि, ये समस्याएं सीधे तौर पर पेट की समस्याओं से जुड़ी नहीं होतीं। अगर आप सीमित मात्रा में कोल्ड ड्रिंक का सेवन करते हैं तो इससे पेट की समस्याएं नहीं होतीं।

ठंडा पानी बनाम कोल्ड ड्रिंक

कुछ लोग मानते हैं कि ठंडा पानी भी पेट की समस्याओं का कारण बन सकता है। हालांकि, ठंडा पानी पीने से पाचन पर कोई बुरा असर नहीं पड़ता। ठंडा पानी पीने से पेट में कोई खास फर्क नहीं पड़ता। अगर आप ठंडा पानी पीते हैं तो इससे आपके शरीर को हाइड्रेशन मिलेगा और गर्मी का असर भी काफी हद तक कम हो जाएगा। हालांकि, कोल्ड ड्रिंक से डिहाइड्रेशन होने का डर होता है।

पाचन पर असर

कोल्ड ड्रिंक का सेवन करने से पाचन पर असर पड़ सकता है। कोल्ड ड्रिंक पीने से पेट की दीवारों पर असुविधा हो सकती है, जिससे गैस या अपच की समस्या खड़ी हो सकती है। कुछ मामलों में यह समस्या थोड़ी देर बाद सामान्य हो जाती है। हालांकि, अगर जलन और असुविधा बनी रहे तो आपको तुरंत डॉक्टर से परामर्श करना चाहिए। ज्यादा मात्रा में कोल्ड ड्रिंक पीने से ही ऐसा होता है।

सेहत पर प्रभाव

अगर आप नियमित रूप से ज्यादा मात्रा में कोल्ड ड्रिंक का सेवन करते हैं तो इससे सेहत पर बुरा असर पड़ सकता है। ज्यादा मात्रा में चीनी और नकली फ्लेवर होने के कारण यह पेय नुकसानदायक बन जाता है, जो वजन बढ़ने और पेट की समस्याओं का कारण बन सकता है। इसके अलावा इनमें कैफीन होने की वजह से ये कई अन्य समस्याएं भी खड़ी कर सकते हैं। कोल्ड ड्रिंक पीने से नींद उड़ती है और दांत खराब होते हैं।

क्या आपकी सनस्क्रीन सही से काम नहीं कर रही? जानिए इसके 5 संकेत

सनस्क्रीन का इस्तेमाल त्वचा को सूरज की हानिकारक किरणों से बचाने के लिए किया जाता है। हालांकि, कभी-कभी सनस्क्रीन सही से काम नहीं करती, जिसका अंदाजा ज्यादातर लोगों को नहीं होता। आइए हम आपको कुछ ऐसे संकेतों के बारे में बताते हैं, जिनसे पता चलता है कि आपकी सनस्क्रीन त्वचा की सुरक्षा नहीं कर रही। इन संकेतों को पहचानकर आप अपनी सनस्क्रीन को बेहतर बना सकते हैं और अपनी त्वचा को सूरज की किरणों से सुरक्षित रख सकते हैं।

त्वचा का रंग गहरा होना

अगर आपकी त्वचा धूप में रहने से सनस्क्रीन लगाने के बाद भी गहरी होती जा रही है तो समझ जाइए कि आपकी सनस्क्रीन सही से काम नहीं कर रही। इसका मतलब होता है कि आपकी त्वचा को सूरज की हानिकारक किरणों से सुरक्षा नहीं मिल रही। ऐसे में हमेशा एक अच्छी गुणवत्ता वाली और ज्यादा सुरक्षा देने वाली सनस्क्रीन का इस्तेमाल करें और इसे हर कुछ घंटों बाद दोबारा लगाएं।

जलन या लालिमा महसूस होना

अगर आपको अपनी त्वचा पर जलन या लालिमा महसूस होती है तो यह भी एक संकेत हो सकता है कि आपकी सनस्क्रीन सही से काम नहीं कर रही। अगर आप धूप में रहने के बाद जलन या लालिमा महसूस करते हैं तो तुरंत छाया में जाएं और अपनी सनस्क्रीन को फिर से लगाएं। इस तरह आप अपनी त्वचा को सूरज की हानिकारक किरणों से बचा सकते हैं और स्वस्थ रख सकते हैं।

त्वचा का रंग असमान होना

अगर आपकी त्वचा का रंग असमान लग रहा हो, जैसे कि धब्बे या कालापन दिखाई दे रहे हों तो इसका मतलब हो सकता है कि आपकी सनस्क्रीन सही से काम नहीं कर रही। ऐसी स्थिति में अपनी सनस्क्रीन को बदलें और यह सुनिश्चित करें कि वह आपकी त्वचा के प्रकार के अनुसार हो। अपनी सनस्क्रीन को सही तरीके से लगाएं, ताकि वह पूरी तरह से आपकी त्वचा को ढक सके और उसे सूरज की हानिकारक किरणों से बचा सके।

समय से पहले झुर्रियां आना

अगर आप समय से पहले झुर्रियों का अनुभव कर रहे हैं तो यह भी एक संकेत हो सकता है कि आपकी सनस्क्रीन सही से काम नहीं कर रही। सूरज की हानिकारक किरणें हमारी त्वचा को नुकसान पहुंचाती हैं, जिससे झुर्रियां जल्दी आती हैं। इसलिए, जरूरी है कि आप अपनी सनस्क्रीन को सही तरीके से लगाएं और नियमित रूप से इसका इस्तेमाल करें, ताकि आपकी त्वचा युवा और स्वस्थ बनी रहे।

त्वचा का जल जाना

अगर आपको त्वचा का जलना महसूस होता है तो तुरंत अपनी सनस्क्रीन को बदलें। त्वचा पर जलन होने होने का मतलब है कि आपकी पुरानी सनस्क्रीन आपकी त्वचा को सही तरीके से सुरक्षा नहीं दे पा रही थी। हमेशा ज्यादा सुरक्षा देने वाली सनस्क्रीन का इस्तेमाल करें और इसे हर कुछ घंटों बाद दोबारा लगाएं। इन संकेतों को पहचानकर आप अपनी त्वचा की देखभाल बेहतर तरीके से कर सकेंगे और सूरज की हानिकारक किरणों से सुरक्षित रख सकते हैं।

खास खबर

मुख्यमंत्री अनुसूचित जाति एवं जनजाति विद्यार्थी उत्कर्ष योजना की प्रवेश प्रक्रिया स्थगित

रायपुर। मुख्यमंत्री अनुसूचित जाति एवं जनजाति विद्यार्थी उत्कर्ष योजना (पूर्व में जवाहर उत्कर्ष योजना) अंतर्गत वर्ष 2026-27 में कक्षा 6वीं में प्रवेश के लिए प्रस्तावित प्रक्रिया को अपरिहार्य कारणों से स्थगित कर दिया गया है। इस संबंध में नवा रायपुर से समस्त जिला कलेक्टरों को पत्र जारी किया गया है। जारी निर्देश के अनुसार, पूर्व में 14 मई 2026 को योजना अंतर्गत प्रवेश परीक्षा आयोजन के लिए दिशा-निर्देश जारी किए गए थे तथा सहायक आयुक्त, आदिवासी विकास को व्यापक प्रचार-प्रसार करने के निर्देश भी दिए गए थे। विभाग द्वारा बताया गया है कि योजना अंतर्गत संस्थाओं के इम्पैनलमेंट तथा कक्षा 6वीं में प्रवेश की प्रक्रिया में वर्तमान में विलंब हो रहा है। इसी कारण शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए योजना अंतर्गत प्रवेश प्रक्रिया को आगामी आदेश तक स्थगित किया गया है।

सुखराम को मिला 1 रुपये किलो वाला नया राशन कार्ड

सरगुजा। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में संचालित सुशासन तिहार 2026 का सकारात्मक प्रभाव दिखाई दे रहा है। जिले के वंदना घुटरापारा निवासी सुखराम को सुशासन तिहार के दौरान 1 रुपये किलो वाला नया राशन कार्ड प्रदान किया गया, जिससे उनके परिवार को बड़ी राहत मिली है। सुखराम ने बताया कि सीमित आय के कारण राशन का खर्च भी चिंता का विषय बना रहता था। सुशासन तिहार के अंतर्गत उनकी समस्या पर त्वरित कार्रवाई की गई और उन्हें नया राशन कार्ड उपलब्ध कराया गया, जिससे अब उन्हें रियायती दर पर राशन मिलने लगा है। सुखराम ने मुख्यमंत्री श्री साय के प्रति आभार व्यक्त किया है।

सीजी रेरा ने साइबर ठगी से सावधान रहने की अपील की

रायपुर। छत्तीसगढ़ रियल एस्टेट विनियामक प्राधिकरण (सीजीरेरा) ने आम नागरिकों, आवंटियों एवं प्रमोटरों को साइबर ठगी से सतर्क रहने की सलाह दी है। प्राधिकरण के संज्ञान में आया है कि कुछ अनधिकृत व्यक्ति स्वयं को सीजीरेरा का अधिकारी अथवा कर्मचारी बताकर लोगों से धनराशि की मांग कर रहे हैं और साइबर धोखाधड़ी को अंजाम देने का प्रयास कर रहे हैं। सीजीरेरा ने स्पष्ट किया है कि प्राधिकरण द्वारा किसी भी प्रकार की राशि व्यक्तिगत बैंक खाते, मोबाइल नंबर, यूपीआई अथवा अन्य निजी माध्यमों से जमा कराने के निर्देश नहीं दिए जाते। प्राधिकरण से संबंधित सभी भुगतान केवल अधिकृत एवं निर्धारित माध्यमों से ही स्वीकार किए जाते हैं। प्राधिकरण ने नागरिकों से सतर्कता बरतने और केवल आधिकारिक माध्यमों पर ही भरोसा करने की अपील की है।

महिला एवं बाल विकास विभाग अंतर्गत सहायक ग्रेड-03 भर्ती की अंतिम मूल्यांकन सूची जारी

रायपुर। महिला एवं बाल विकास विभाग महासमुंद द्वारा सहायक ग्रेड-03 के नियमित रिक्त पदों की पूर्ति हेतु सीधी भर्ती प्रक्रिया के अंतर्गत प्राप्त दावा-आपत्तियों का निराकरण कर अंतिम मूल्यांकन सूची जारी कर दी गई है। जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला बाल विकास टिक्केन्द्र जटवार ने बताया कि दावा-आपत्ति 19 मई 2026 तक आमंत्रित किए गए थे। निर्धारित अवधि में प्राप्त दावा-आपत्तियों का परीक्षण एवं निराकरण चयन समिति द्वारा किया गया। दावा-आपत्ति निराकरण उपरांत अंतिम मूल्यांकन सूची एवं दावा-आपत्ति निराकरण सूची तैयार कर प्रकाशित की गई है। अभ्यर्थी उक्त सूची का अवलोकन महिला एवं बाल विकास विभाग महासमुंद के सूचना पटल तथा जिले की आधिकारिक वेबसाइट https:// mahasamund.gov.in/ पर कर सकते हैं।

वनांचलों में विकास की बड़ी सौगात

नारायणपुर में 12.29 करोड़ के विकास कार्यों का भूमिपूजन एवं लोकार्पण

श्रीकंचनपथ समाचार

नारायणपुर। प्रदेश के उप मुख्यमंत्री तथा लोक निर्माण, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी, नगरीय प्रशासन, खेल एवं युवा कल्याण मंत्री अरुण साव ने नारायणपुर प्रवास के दौरान जिलेवासियों को विकास की बड़ी सौगात दी। उन्होंने एजी सिनेमा हॉल में आयोजित कार्यक्रम में 12 करोड़ 29 लाख रुपए की लागत से स्वीकृत विभिन्न विकास कार्यों का भूमिपूजन एवं लोकार्पण किया।

इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री ने नगर पालिका नारायणपुर के विकास के लिए 5 करोड़ रुपए देने की घोषणा भी की। कार्यक्रम में वन एवं जलवायु परिवर्तन, परिवहन, सहकारिता एवं संसदीय कार्य मंत्री केदार कश्यप भी उपस्थित रहे।

उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने कहा कि राज्य सरकार नारायणपुर जिले को विकसित, खुशहाल और समृद्ध बनाने के लिए लगातार कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि जिले के युवाओं ने शिक्षा, खेल, कला और संस्कृति के क्षेत्र में राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी अलग पहचान बनाई है। विशेष रूप से मलखंभ जैसे कठिन खेल में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले युवाओं की उन्होंने सराहना की। यह कार्यक्रम नारायणपुर जिले के विकास, शिक्षा, युवा सशक्तिकरण और जनकल्याणकारी योजनाओं को नई गति देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित हुआ।

उप मुख्यमंत्री ने नेशनल स्कूल ऑफ ड्रामा, नई दिल्ली की प्रस्तुति 'चंदा के चकोर' की प्रशंसा करते हुए कहा कि इस तरह की सांस्कृतिक प्रस्तुतियां जिले की प्रतिभा को राष्ट्रीय पहचान दिला रही हैं। उन्होंने जिले में आयोजित पांच दिवसीय करियर गाइडेंस कार्यक्रम को युवाओं के लिए उपयोगी बताते हुए कहा कि इससे युवाओं को रोजगार और बेहतर भविष्य के अवसर मिलेंगे।

श्री साव ने बताया कि प्रदेश में सरकार बनने के बाद नारायणपुर जिले के विकास कार्यों के लिए 307 करोड़ रुपए स्वीकृत किए गए हैं। उन्होंने कहा कि जिले में 32 करोड़ रुपए की लागत से सड़क निर्माण कार्य शुरू किए गए हैं, जिन्हें जल्द पूरा किया जाएगा। सरकार शिक्षा, स्वास्थ्य, कला और संस्कृति के क्षेत्र में नारायणपुर को नई पहचान दिलाने के लिए लगातार प्रयास कर रही है।

वन मंत्री केदार कश्यप ने कहा कि नारायणपुर को एक विकसित और आधुनिक नगर बनाने के लिए कई महत्वपूर्ण योजनाएं संचालित की जा रही हैं। उन्होंने बताया कि नगरीय निकाय क्षेत्र में 120 करोड़ रुपए की लागत से सड़क निर्माण कार्य स्वीकृत किए गए हैं। साथ ही विद्यार्थियों को बेहतर अध्ययन सुविधा उपलब्ध कराने के लिए 23 करोड़ रुपए की लागत से लाइब्रेरी भवन का भूमिपूजन किया गया है।

किसानों और हितग्राहियों को मिला लाभ

विभिन्न विभागों की योजनाओं के तहत हितग्राहियों को लाभान्वित किया गया। कृषि विभाग द्वारा पांच किसानों को किसान समृद्धि योजना अंतर्गत बोर खनन एवं पंप स्थापना के लिए 1.99 लाख रुपए की सहायता राशि प्रदान की गई। उद्यानिकी विभाग द्वारा दो किसानों को बागवानी विकास हेतु 3.85 लाख रुपए के चेक प्रदान किए गए। मत्स्य पालन विभाग द्वारा तीन हितग्राहियों को मछली पकड़ने के जाल वितरित किए गए।

मेधावी विद्यार्थियों और शिक्षकों का किया गया सम्मान

कार्यक्रम में शैक्षणिक सत्र 2025-26 की 10वीं और 12वीं बोर्ड परीक्षा की मेरिट सूची में स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को लैपटॉप प्रदान कर सम्मानित किया गया। इसी प्रकार उत्कृष्ट कार्य करने वाले शिक्षकों को भी शॉल और श्रीफल भेंटकर सम्मानित किया गया।

विभागीय योजनाओं की जानकारी ली

उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉलों का अवलोकन कर योजनाओं की जानकारी ली। उन्होंने शिक्षा विभाग के स्टॉल में स्वयं विद्यार्थियों को लैपटॉप वितरित कर उनका उत्साहवर्धन किया। कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों, जिला प्रशासन के अधिकारियों, वरिष्ठ नागरिकों, पत्रकारों तथा बड़ी संख्या में नागरिकों की उपस्थिति रही।

केन्द्रीय कैबिनेट के 'सार्थक-पीडीएस' फेज-2 निर्णय का मुख्यमंत्री साय ने किया स्वागत, गरीबों के हित में है फैसला

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा सार्थक पीडीएस फेज-2 के लिए 25,530 करोड़ रुपये की मंजूरी का स्वागत करते हुए इसे गरीब कल्याण, खाद्य सुरक्षा और सुशासन की दिशा में एक ऐतिहासिक एवं दूरदर्शी निर्णय बताया है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि यह निर्णय सार्वजनिक वितरण प्रणाली को तकनीक आधारित, अधिक पारदर्शी, जवाबदेह और नागरिक-केंद्रित बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम सिद्ध होगा।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि डबल इंजन सरकार गरीबों तक योजनाओं का लाभ शत-प्रतिशत पारदर्शिता के साथ पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है। सार्थक पीडीएस फेज-2 के माध्यम से एआई-इनेबल्ड लाभार्थी रजिस्ट्री, जीपीएस ट्रैकिंग, क्यूआर कोड टैगिंग, रियल-टाइम मॉनिटरिंग और आधुनिक सप्लाई चेन प्रबंधन जैसी व्यवस्थाओं से राशन वितरण प्रणाली और अधिक सुदृढ़ होगी। इससे पात्र हितग्राहियों तक सस्ते अनाज और खाद्य सुरक्षा योजनाओं का लाभ समयबद्ध एवं पारदर्शी तरीके से पहुंचेगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार का यह निर्णय केवल तकनीकी उन्नयन तक सीमित नहीं है, बल्कि राज्यों को राशन परिवहन, हैंडलिंग तथा उचित मूल्य दुकानों के संचालन में बढ़ती लागत के लिए आर्थिक सहयोग देकर वितरण व्यवस्था को अधिक मजबूत बनाएगा। राशन दुकानों के डीलरों के पारिश्रमिक में वृद्धि का प्रावधान जमीनी स्तर पर व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाएगा।

मुख्यमंत्री श्री साय ने विश्वास व्यक्त किया कि 31 मार्च 2031 तक संचालित होने वाली यह योजना राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के करोड़ों हितग्राहियों की खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। उन्होंने कहा कि एआई, मशीन लर्निंग, ब्लॉकचेन और डिजिटल मॉनिटरिंग जैसे नवाचारों के उपयोग से सार्वजनिक वितरण प्रणाली में पारदर्शिता, जवाबदेही और जनविश्वास को नई मजबूती मिलेगी तथा अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ सुनिश्चित करने के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संकल्प को और बल मिलेगा।

उपचुनाव के मद्देनजर सरगांव में 30 को शुष्क दिवस घोषित

मुंगेली। नगरीय निकाय उपचुनाव 2026 को शांतिपूर्ण, निष्पक्ष एवं सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के उद्देश्य से जिला प्रशासन ने सरगांव क्षेत्र में शुष्क दिवस घोषित किया है। कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी कुन्दन कुमार द्वारा जारी आदेश के अनुसार जिले में संचालित सभी देशी कम्पोजिट मदिरा दुकान सरगांव एवं विदेशी मदिरा दुकान सरगांव निर्धारित अवधि तक पूर्णतः बंद रहेंगी। जारी आदेश में छत्तीसगढ़ आबकारी अधिनियम 1915 की धारा 24 की उपधारा (1) के तहत प्रदत्त शक्तियों का उपयोग करते हुए 30 मई 2026 की शाम 05 बजे से 01 जून 2026 की शाम 05 बजे तक तथा मतगणना दिवस 04 जून 2026 को प्रातः 10 बजे से मतगणना समाप्ति तक शुष्क दिवस घोषित किया गया है।

सुशासन तिहार : पूरा हुआ प्रीति का प्रधानमंत्री आवास का सपना

श्रीकंचनपथ समाचार

जांजगीर-चांपा। जिले के ग्राम बिलारी निवासी श्रीमती प्रीति साहू का वर्षों पुराना पक्के घर का सपना साकार हुआ। आर्थिक रूप से कमजोर होने के कारण उनका परिवार लंबे समय से कच्चे मकान में निवास कर रहा था। बारिश के मौसम में घर में पानी टपकने तथा गर्मी के दिनों में अत्यधिक परेशानी का सामना करना पड़ता था। सीमित संसाधनों के कारण सुरक्षित एवं पक्का घर बनाना परिवार के लिए बड़ी चुनौती बना हुआ था।

प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत प्रीति साहू को आवास स्वीकृत हुआ तथा योजना के तहत उन्हें निर्धारित राशि उपलब्ध कराई गई। शासन की सहायता से उनके नए पक्के मकान का निर्माण पूर्ण हुआ। सुशासन तिहार के अंतर्गत आयोजित जनसमस्या निवारण शिविर में उन्हें उनके नए घर की प्रतीकात्मक चाबी सौंपी गई।

अपने सपनों का पक्का घर मिलने पर प्रीति एवं उनके परिवार के चेहरे पर खुशी साफ दिखाई दी। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि शासन की जनहितकारी योजनाओं से गरीब एवं जरूरतमंद परिवारों को सुरक्षित और सम्मानजनक जीवन जीने का अवसर मिल रहा है।

तेंदूपत्ता और महुआ संग्रह से चलता था गुजारा आईएफएस अधिकारी बनकर रच दिया इतिहास

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय से भारतीय वन सेवा के लिए चयनित रायगढ़ जिले के संबलपुरी गांव निवासी अजय गुप्ता ने सौजन्य मुलाकात की। मुख्यमंत्री श्री साय ने अजय को भारतीय वन सेवा में चयनित होने पर बधाई देते हुए इसे पूरे छत्तीसगढ़, विशेषकर वनांचल क्षेत्र के लिए गौरव और प्रेरणा का क्षण बताया।

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने कहा कि अजय गुप्ता ने केवल अपने माता-पिता का ही नहीं, बल्कि पूरे प्रदेश का मान बढ़ाया है। उन्होंने कहा कि यह अत्यंत प्रेरणादायी है कि एक ऐसा युवा, जिसने बचपन में जंगलों में तेंदूपत्ता और महुआ संग्रह कर परिवार का हाथ बंटाया, आज उन्हीं जंगलों के संरक्षण और संवर्धन की जिम्मेदारी निभाने जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह उपलब्धि बताती है कि प्रतिभा संसाधनों की मोहताज नहीं होती, बल्कि अवसर और संकल्प मिल जाए तो दूरस्थ अंचलों के युवा भी देश की सर्वोच्च सेवाओं में अपनी जगह बना सकते हैं।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि राज्य सरकार की 'लघु वनोपज संघ छात्रवृत्ति' तथा 'पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति' जैसी योजनाओं ने अजय जैसे प्रतिभाशाली युवाओं की राह आसान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने कहा कि

अजय की सफलता वनांचल समाज के सपनों, संघर्ष और आत्मविश्वास की जीत है तथा यह हजारों युवाओं को बड़े सपने देखने और उन्हें पूरा करने का साहस देगी।

अजय गुप्ता का बचपन जंगलों, वनोपज संग्रहण और खेती-किसानी के बीच बीता। छुट्टियों के दौरान वे अपने माता-पिता के साथ जंगलों में जाकर तेंदूपत्ता और महुआ एकत्रित करते थे। आर्थिक अभावों के बावजूद उन्होंने शिक्षा को अपनी प्राथमिकता बनाया और 10वीं में 92.66 प्रतिशत तथा 12वीं में 91.40 प्रतिशत अंक प्राप्त कर अपनी मेधा का परिचय दिया।

अजय को राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान रायपुर में प्रवेश मिला, जहां उन्हें तीन वर्षों तक छात्रवृत्ति का लाभ मिला। अजय ने भारतीय वन सेवा परीक्षा में अखिल भारतीय स्तर पर 91वीं रैंक प्राप्त की और अपने सपनों को साकार किया।

बरबसपुर-सिरौली में प्लास्टिक अपशिष्ट बिक्री व जियो टैगिंग तेज

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत मनेन्द्रगढ़ विकासखंड की ग्राम पंचायतों में स्वच्छता एवं ठोस अपशिष्ट प्रबंधन को लेकर लगातार प्रभावी कार्य किए जा रहे हैं। ग्राम पंचायत बरबसपुर और सिरौली में स्वच्छता ग्राहियों द्वारा प्लास्टिक अपशिष्ट संग्रहण एवं जियो टैगिंग का कार्य किया गया।

ग्राम पंचायत बरबसपुर में स्वच्छता ग्राहियों ने ठोस अपशिष्ट प्रबंधन इकाई चनवारीडांड के स्वच्छता ग्राहियों को 15 किलोग्राम

सफेद पन्नी, 46 किलोग्राम रंगीन पन्नी तथा 8 किलोग्राम प्लास्टिक बोतलों का विक्रय किया। इस दौरान ग्राम पंचायत सचिव भी उपस्थित रहे। इसके साथ ही बरबसपुर में सूची ऐप के माध्यम से आंगनबाड़ी केंद्र, स्कूल, सामुदायिक शौचालय सहित अन्य सार्वजनिक परिसंपत्तियों का जियो टैगिंग कार्य भी किया गया।

वहीं ग्राम पंचायत सिरौली के ग्राम नागाई में भी स्वच्छता ग्राहियों द्वारा सफेद पन्नी, रंगीन पन्नी और प्लास्टिक बोतलों का संग्रहण कर उन्हें ठोस अपशिष्ट प्रबंधन इकाई चनवारीडांड के स्वच्छता ग्राहियों को बेचा गया। इसके अलावा ग्राम पंचायत सिरौली, नागोई, पिपरिया एवं कठौतिया में सूची ऐप के माध्यम से आंगनबाड़ी केंद्र, स्कूल, सामुदायिक शौचालय तथा नाडेप संरचनाओं का जियो टैगिंग कार्य किया गया।

तत्काल बना लर्निंग लाइसेंस : अखिलेश खुश

महासमुंद। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के सुशासन एवं जनकल्याण केंद्रित प्रशासनिक दृष्टिकोण को साकार करने हेतु प्रदेशभर में सुशासन तिहार के अंतर्गत समाधान शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। महासमुंद जिले के कलेक्टर विनय कुमार लंगेह के मार्गदर्शन में जिले में जारी समाधान शिविरों में सभी विभागों के अधिकारी-कर्मचारी मौजूद रहकर आमजनों की समस्याओं का समाधान कर रहे हैं। ग्राम आंवराडबरी के युवा अखिलेश साहू के लिए यह शिविर खुशी का अवसर बन गया। उन्होंने शिविर में लर्निंग लाइसेंस के लिए आवेदन किया और महज आधे घंटे के भीतर उनका लर्निंग लाइसेंस जारी हो गया। अखिलेश बेहद खुश नजर आए। उन्होंने कहा कि समाधान शिविरों के माध्यम से गांव में ही सुविधाएं मिल रही हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त किया।

खाद्य सचिव की अध्यक्षता में राज्य स्तरीय कार्यशाला सम्पन्न

छत्तीसगढ़ में लागू होगी इम्प्रूव्ड राईस स्कीम, गुणवत्ता पर जोर

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। छत्तीसगढ़ में भारत सरकार की नवीन 'इम्प्रूव्ड राईस स्कीम' को प्रभावी ढंग से लागू करने की दिशा में आज न्यू सर्किट हाउस, सिविल लाइंस रायपुर में एक दिवसीय राज्य स्तरीय कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला की अध्यक्षता खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग की सचिव श्रीमती रीना बाबा साहेब कंगाले ने की। इसमें छत्तीसगढ़ राईस मिल एसोसिएशन के प्रतिनिधियों, भारतीय खाद्य निगम, मार्कफेड तथा प्रदेशभर के राईस मिलर्स ने भाग लिया।

कार्यशाला में खाद्य सचिव श्रीमती रीना बाबा साहेब कंगाले ने कहा कि भारत सरकार आगामी खरीफवर्ष में 'इम्प्रूव्ड राईस स्कीम' को प्राथमिकता के साथ लागू करने

की दिशा में कार्य कर रही है। इसके लिए राज्य के राईस मिलों को निर्धारित मानकों के अनुरूप तकनीकी रूप से अपग्रेड करना आवश्यक होगा। उन्होंने आश्वस्त किया कि मिलर्स द्वारा दिए गए सुझावों और समस्याओं का परीक्षण कर आवश्यक प्रस्ताव भारत सरकार को भेजे जाएंगे।

कार्यशाला में छत्तीसगढ़ राईस मिल एसोसिएशन के अध्यक्ष कान्ति लाल बोथरा, महामंत्री विष्णु बिंदल, कोषाध्यक्ष रमेश अग्रवाल सहित अन्य पदाधिकारी एवं मिलर्स उपस्थित रहे।

सभी प्रतिभागियों ने कार्यशाला आयोजन के लिए खाद्य विभाग का आभार व्यक्त करते हुए योजना के सफल क्रियान्वयन में सहयोग का भरोसा दिलाया।

कार्यशाला में खरीफ विपणन वर्ष 2026-27 से लागू की जाने वाली 'इम्प्रूव्ड राईस स्कीम' के विभिन्न प्रावधानों, गुणवत्ता मानकों, भंडारण व्यवस्था, अनुबंध प्रक्रिया, लागत एवं क्रियान्वयन संबंधी विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। अधिकारियों ने प्रस्तुतिकरण के माध्यम से 10 प्रतिशत अरवा ब्रोकन चावल एवं 5 प्रतिशत उसना ब्रोकन चावल के निर्धारित मानकों की जानकारी दी।

बैठक के दौरान राईस मिल एसोसिएशन के प्रतिनिधियों ने व्यवहारिक समस्याओं और सुझावों को प्रमुखता से रखा। मिलर्स ने प्रदेश में उन्नत धान किस्मों की खेती को बढ़ावा देने, भारतीय खाद्य निगम में रैक मूवमेंट को तेज करने तथा मिलिंग लागत में वृद्धि जैसे मुद्दों पर ध्यान आकर्षित किया। साथ ही उन्होंने स्कीम के सफल क्रियान्वयन के लिए तकनीकी और आधारभूत सुविधाओं को मजबूत करने की आवश्यकता बताई।

खास खबर

धनसुली में अवैध खनन पर कार्रवाई, दो क्रेशर सील

रायपुर। कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह के निर्देशानुसार एवं उप संचालक राजेश मालवे के नेतृत्व में जिला खनिज विभाग की टीम ने सुशासन तिहार में मिली शिकायत पर ग्राम धनसुली में जांच की। जांच के दौरान बड़ी कार्रवाई करते हुए दो क्रेशरों को मौके पर ही सील कर दिया गया। जांच में पाया गया कि मेसर्स महामाया मिनरल्स के पार्टनर भूपेंद्र बंसल तथा सन्नी अरोरा की खदान और क्रेशर में बिना रॉयल्टी पर्ची के खनिज का उत्खनन और भंडारण किया जा रहा था। यह काम नियमों के खिलाफ था। इस पर जिला खनिज टीम रायपुर ने तत्काल प्रभाव से दोनों क्रेशरों को सील कर दिया और अवैध काम को बंद करा दिया। इसके साथ ही बस्ती के आसपास स्थित आमिर अली खदान, महामाया मिनरल्स एवं सतिंदर कौर की खदान को नोटिस जारी किया गया है। इन तीनों को पर्यावरण नियम, खनिज नियम तथा खान सुरक्षा अधिनियम की शर्तों के अनुसार ही खनन करने के निर्देश दिए गए हैं। उप संचालक राजेश मालवे ने बताया कि सुशासन तिहार के तहत मिली शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई की जा रही है। जिले में अवैध खनन और परिवहन करने वालों पर सख्त कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी।

कोरबा में बेकाबू बोलेरो के चपेट में आए मासूम समेत दो घायल

कोरबा। कोरबा में बुधवार की देर रात मानिकपुर चौकी क्षेत्र में एक तेज रफ्तार बोलेरो ने कहर बरपाया। बुधवारी बायपास मार्ग पर पेट्रोल पंप के पास बोलेरो ने एक्टिवा और बाइक सवार को टक्कर मार दी। इस हादसे में एक मासूम बच्चे सहित दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार बोलेरो की रफ्तार बहुत तेज थी। चालक अचानक सामने आए एक्टिवा और बाइक सवार को संभाल नहीं पाया। जोरदार टक्कर से एक्टिवा सवार 10 साल का मासूम उछलकर दूर जा गिरा। बाइक सवार भी सड़क पर गिरकर लहूलुहान हो गया। हादसे के बाद मौके पर राहगीरों की भारी भीड़ जमा हो गई। गुस्साई भीड़ ने बोलेरो वाहन में जमकर तोड़फोड़ शुरू कर दी। पुलिस ने वाहन को कब्जे में लेकर चालक से पूछताछ शुरू कर दी है। मानिकपुर पुलिस सीसीटीवी फुटेज भी खंगाल रही है लोग वाहन में आग लगाने वाले थे। सूचना मिलते ही मानिकपुर चौकी पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची। पुलिस के पहुंचते ही माहौल नियंत्रण में आया। पुलिस ने भीड़ को शांत कराया और घायलों को तुरंत अस्पताल भेजा। दोनों घायलों का जिला अस्पताल में इलाज चल रहा है, जिसमें मासूम की हालत गंभीर है। स्थानीय लोगों ने बताया कि बोलेरो वाहन में एनसीसी कैडेट्स के जवान सवार थे। बुधवारी बायपास पेट्रोल टंकी के पास यह हादसा हुआ। स्थानीय लोगों का कहना है कि सड़क के दोनों तरफ वाहन बेतरतीब ढंग से खड़े रहते हैं। अतिक्रमण के चलते पहले भी कई हादसे हो चुके हैं, लेकिन प्रशासन बार-बार शिकायत के बावजूद कार्रवाई नहीं करता।

साइबर ठगी के छह आरोपी गिरफ्तार

सुपेला थाना क्षेत्र का मामला, 20 लाख की ठगी का खुलासा

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सुपेला थाना पुलिस और अपराध शाखा की टीम ने लाखों रुपये की डिजिटल माध्यम से ठगी करने वाले छह आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों ने फर्जी संदेश ऐप प्रोफाइल बनाकर एक कंपनी से ठगी की वारदात को अंजाम दिया था। पुलिस ने बुधवार को इस पूरे मामले का खुलासा किया।

पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से नगदी, मोबाइल, स्वचालित टेलर मशीन कार्ड और बैंक दस्तावेज सहित अन्य सामान जब्त किया है। प्रार्थी यश बत्रा ने सुपेला थाने में शिकायत दर्ज कराई थी। उनकी कंपनी साईराम व्हील्स प्राइवेट लिमिटेड के बैंक खाते से डिजिटल ठगी हुई थी। अज्ञात व्यक्तियों ने कंपनी निदेशक चंद बत्रा की फोटो लगाकर फर्जी संदेश ऐप प्रोफाइल तैयार किया था। आरोपियों ने विश्वास में लेकर एचडीएफसी बैंक खाते में 20 लाख रुपये ट्रांसफर करा लिए। कंपनी के तीनों निदेशकों के बीच राशि लेन-देन हेतु एक संदेश ऐप समूह संचालित था। आरोपियों ने इसी प्रक्रिया का दुरुपयोग करते हुए ठगी की वारदात की। पुलिस उपमहानिरीक्षक विजय अग्रवाल ने मामले को गंभीरता से लेते हुए जांच के निर्देश दिए थे।

ठगी का तरीका

जांच में पाया गया कि आरोपियों ने संगठित तरीके से फर्जी बैंक खाते खुलवाए। वे खाता धारकों को कमीशन का लालच देकर डिजिटल ठगी करते थे। फिर इन रकम को विभिन्न खातों में ट्रांसफर कर नकद निकासी करते थे। आरोपी संदेश ऐप व जंगी ऐप के माध्यम से संपर्क कर टोकन प्रणाली से पैसों का आदान-प्रदान करते थे।

आरोपियों की गिरफ्तारी

पुलिस को सूचना मिली कि कुछ संदिग्ध रायपुर के तनिष्क अतिथि गृह में रुके थे। पुलिस की भनक लगते ही आरोपी ठिकाने बदलने लगे, जिसके बाद तकनीकी निगरानी और मुखबिर सूचना के आधार पर घेराबंदी की गई।

पुलिस ने पंकज शर्मा सहित कुछ आरोपियों को रायपुर के जय स्तंभ चौक के पास से हिरासत में लिया और अन्य को बूढ़ा तालाब क्षेत्र से पकड़ा। पूछताछ में पता चला कि राजस्थान के मुरली जनागल, गोपाल सोनी, मोती सिंह, मोतीलाल शर्मा, बनवारी शर्मा और पंकज शर्मा शहर में रहकर ठगी करते थे। पुलिस ने उनके पास से 1 लाख 20 हजार नगदी रकम बरामद की है।

11 दुकानों में खाद्य विभाग का छापा 28 किलो फल सड़े हुए

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा। खाद्य सुरक्षा अधिकारी संघर्ष कुमार मिश्र के नेतृत्व में विभागीय टीम द्वारा कोरबा शहर के पुराना बस स्टैंड, पॉवर हाउस रोड एवं बुधवारी बाजार क्षेत्र में विशेष निरीक्षण अभियान चलाया गया।

निरीक्षण के दौरान राजा नारियल पानी एवं फ्रूट सेंटर, राजेश फ्रूट सेंटर, सरवमंगला फ्रूट सेंटर, माँ शारदा फ्रूट सेंटर, चैरसिया फ्रूट सेंटर सहित कुल 11 दुकानों का गहन निरीक्षण किया गया। जांच के दौरान दुकानों में 15 किलो आम, 4 दर्जन केला, 2 किलो अनार, 7 किलो खरबूजा खराब अवस्था में पाए गए, जिन्हें बेचने हेतु रखा गया था। टीम ने तत्काल सभी खराब फलों को नष्ट करवाया।

यह कार्यवाही खाद्य सुरक्षा आयुक्त दीपक अग्रवाल, छत्तीसगढ़ के निर्देशन में चल रहे विशेष अभियान के अंतर्गत की जा रही है, जो 28 एवं 29 मई 2026 तक संचालित रहेगा। इसका उद्देश्य आमजन को सुरक्षित एवं गुणवत्तापूर्ण फल उपलब्ध कराना है। साथ ही, टीम द्वारा कृत्रिम मिठास (सैकरीन) एवं कार्बाइड से फल पकाने जैसे अवैध तरीकों की भी जांच की जा रही है।

निरीक्षण के दौरान जिन फल विक्रेताओं के पास फूड लाइसेंस नहीं पाया गया, उन्हें तत्काल लाइसेंस बनवाने के निर्देश दिए गए तथा आगे कड़ी कार्रवाई की चेतावनी भी प्रदान की गई।

रायपुर में मंत्री के पीए बनकर ठगी करने वाला उड़ीसा से गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मैं मंत्री नितिन नवीन का पीए बोल रहा हूं, तुरंत पैसों की जरूरत है बस इतनी बात सुनकर मंदिर में सेवा करने वाला युवक भरोसे में आ गया और कुछ ही मिनटों में साइबर ठगी का शिकार बन बैठा, लेकिन रायपुर पुलिस ने मामला दर्ज होते ही ऐसा जाल बिछाया कि आरोपी उड़ीसा से दबोच लिया गया।

मामला थाना खम्हारडीह क्षेत्र का है, जहां जगन्नाथ मंदिर गायत्री नगर में सेवा कार्य करने वाले प्रार्थी को 24 मई 2026 की रात करीब 8:24 बजे एक कॉल आया। कॉल करने वाले ने खुद को मंत्री नितिन नवीन का पीए बताते हुए तुरंत पैसों की जरूरत होने की बात कही। इसके बाद दूसरे नंबर से कॉल कर एक स्कैनर भेजा गया, जिस पर

कामिनी बेहरा नाम दिखाई दे रहा था। भरोसे में आए प्रार्थी ने फोन-पे के जरिए 10 हजार रुपये ट्रांसफर कर दिए। रकम भेजने के बाद आरोपी लगातार और पैसे मांगने लगा, तब प्रार्थी को शक हुआ और उसने अन्य लोगों से चर्चा की, जहां उसे साइबर ठगी का एहसास हुआ।

शिकायत मिलते ही थाना खम्हारडीह पुलिस ने अपराध क्रमांक 164/2026 धारा 318(4) बीएनएस के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की। मामले की गंभीरता को देखते हुए थाना पंडरी और खम्हारडीह से 6 सदस्यीय विशेष टीम बनाई गई। तकनीकी साक्ष्यों और मोबाइल नंबर की ट्रैकिंग के जरिए आरोपी की पहचान सहदेव मलिक पिता स्वर्गीय महानी मलिक उम्र 35 वर्ष निवासी तालदा थाना अस्टरंगा जिला पुरी उड़ीसा के रूप में हुई।

पुलिस टीम ने उड़ीसा पहुंचकर तगड़ी घेराबंदी की और आरोपी को गिरफ्तार कर रायपुर लाया गया। आरोपी को माननीय न्यायालय में पेश किया गया है। बहरहाल, रायपुर पुलिस की इस तेज कार्रवाई ने साफकर दिया है कि फर्जी पहचान बनाकर ऑनलाइन ठगी करने वाले अब ज्यादा दिनों तक कानून से बच नहीं पाएंगे।

नाबालिग से दुष्कर्म के तीन दोषियों को 20-20 साल की सश्रम कैद

श्रीकंचनपथ न्यूज

धमतरी। धमतरी जिले में नाबालिग से दुष्कर्म के तीन अलग-अलग मामलों में तीन युवकों को जिला न्यायालय ने दोषी करार देते हुए 20-20 वर्ष के सश्रम कारावास की सजा सुनाई है। आरोपी तोरण लाल जोशी (24), सागर उर्फ करण साहू (21) और नरेंद्र कुमार मंडावी (21) को 3000-3000 रुपये का अर्थदंड भी लगाया गया। जिला न्यायालय ने नाबालिग से दुष्कर्म के तीन अलग-अलग मामलों में फैसला सुनाया है। न्यायालय ने तीनों दोषियों को कठोर सजा दी है। आरोपियों पर दोष सिद्ध पाए जाने के बाद यह निर्णय आया।

प्रत्येक आरोपी को 20-20 वर्ष के सश्रम कारावास से दंडित किया गया है। इसके साथ ही उन पर 3000-3000 रुपये का अर्थदंड भी लगाया गया। अर्जुनी थाना में एक दुष्कर्म का मामला दर्ज हुआ था। इसमें भारतीय न्याय संहिता की

धारा और पॉक्सो एक्ट की धारा 6 के तहत कार्रवाई हुई। पुलिस ने तोरण लाल जोशी (24 वर्ष, निवासी दोनर) को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया था।

न्यायालय ने उसे दोषी पाते हुए 20 वर्ष के सश्रम कारावास की सजा दी। भखारा थाना में भी एक दुष्कर्म का मामला दर्ज हुआ था। न्यायालय ने सागर उर्फ करण साहू (21 वर्ष, निवासी गुहेली, बेमेतरा) को दोषी पाया। उसे पॉक्सो एक्ट सहित विभिन्न धाराओं के तहत 20 वर्ष के सश्रम कारावास की सजा मिली। तीसरे मामले में नरेंद्र कुमार मंडावी (21 वर्ष, निवासी भंडारवाड़ी, धमतरी) को भी 20 वर्ष के सश्रम कारावास से दंडित किया गया।

अर्जुनी थाना में दर्ज मामले में तोरण लाल जोशी को दोषी पाया गया। वह 24 वर्ष का है और ग्राम दोनर का निवासी है। भखारा थाना के मामले में सागर उर्फ करण साहू को सजा मिली। वह 21 वर्ष का है और ग्राम गुहेली, बेमेतरा का रहने वाला है। तीसरे मामले में नरेंद्र कुमार मंडावी (21 वर्ष, निवासी भंडारवाड़ी, धमतरी) को भी दोषी ठहराया गया।

धमतरी पुलिस ने बताया कि वर्ष 2026 में भी कई अन्य मामलों में सजाएं दी गई हैं। थाना सिटी कोतवाली धमतरी के दो मामलों में आरोपियों को दंडित किया गया। चौकी बिरेझर के एक मामले में भी सजा सुनाई गई। थाना सिहावा के एक और थाना मगरलोड के दो मामलों में भी कार्रवाई हुई।

राइस मिल से सोलर प्लांट का सामान चोरी करके ले गए बदमाश

भिलाई। कुम्हारी थाना क्षेत्र अंतर्गत जंजगिरी स्थित राइस मिल में लगे सोलर प्लांट की केबल, कनक्टर, कंडक्ट एवं अन्य समान चोरी हो गया। बदमाश फेंसिंग तोड़कर मिल में घुसे। अंदर कुछ नहीं मिला तो सोलर प्लांट का सामान चुरा ले गए। शिकायत पर पुलिस ने धारा 305(ए) के तहत केस दर्ज किया है।

प्रार्थी सागर अग्रवाल ने पुलिस को बताया कि मिल में सोलर प्लांट लगा है। राइस मिल में काम सुबह 9 से रात 8 बजे तक चलता है। रोजाना की तरह 22 मई की रात करीब 8 बजे तक मिल का कामकाज चला था। अगले दिन सुबह सुपरवाइजर सेतराम साहू ने फोन कर जानकारी दी कि सोलर प्लांट का केबल कटा हुआ है। सूचना मिलने पर वह मौके पर पहुंचा और पुलिस में शिकायत की।

रायपुर मध्य जोन पुलिस का एक्शन मोड

25 दिन में 338 बदमाशों पर कार्रवाई, वारंटी, और बदमाश निशाने पर

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राजधानी रायपुर में अपराध और असामाजिक गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए मध्य जोन पुलिस ने विशेष अभियान चलाकर बड़ी कार्रवाई की है। 1 मई से 25 मई 2026 तक चलाए गए इस अभियान में विभिन्न थाना क्षेत्रों में कुल 338 व्यक्तियों और प्रकरणों पर वैधानिक कार्रवाई की गई।

रायपुर कमिश्नरेट के मध्य जोन अंतर्गत पुलिस ने अपराधियों, वारंटियों, नशा कारोबारियों और गुंडा तत्वों के खिलाफ लगातार दबिश देकर गिरफ्तारी और प्रतिबंधात्मक कार्रवाई की। पुलिस के अनुसार अभियान का उद्देश्य कानून व्यवस्था बनाए रखना और आम लोगों को सुरक्षित माहौल उपलब्ध कराना था।

अभियान के दौरान स्थायी वारंट के मामलों में 54 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया, जबकि गिरफ्तारी वारंट के तहत 138

लोगों को पकड़ा गया। इसके अलावा अवैध हथियार रखने वालों के खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत 9 प्रकरण दर्ज किए गए। नशे के कारोबार पर भी पुलिस ने सख्ती दिखाई। एनडीपीएस एक्ट के तहत 5 मामलों में कार्रवाई की गई, वहीं अवैध शराब से जुड़े 25 मामलों में आबकारी अधिनियम के तहत प्रकरण दर्ज किए गए। इसके साथ ही कानून व्यवस्था प्रभावित करने की आशंका को देखते हुए 107 व्यक्तियों के खिलाफ धारा 170 बीएनएसएस के तहत प्रतिबंधात्मक कार्रवाई की गई।

पुलिस अधिकारियों का कहना है कि इस तरह के अभियान आगे भी लगातार जारी रहेंगे। अपराध और असामाजिक गतिविधियों में शामिल लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई कर शहर में शांति और सुरक्षा का माहौल बनाए रखने पर विशेष जोर दिया जा रहा है।

15 किलोमीटर तक पीछा कर पुलिस ने शराब तस्कर को किया गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

बलौदाबाजार। बलौदाबाजार जिले में अवैध शराब तस्करी के खिलाफ पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। थाना सुहेला पुलिस ने फिल्मी अंदाज में करीब 15 किलोमीटर तक पीछा कर दो शराब तस्करों को गिरफ्तार किया। कार्रवाई के दौरान एक कार और 50 पाव देशी मसाला शराब जब्त की गई है।

पुलिस के मुताबिक यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक ओ.पी. शर्मा के निर्देश पर की गई। 'समाधान सेल' को सूचना मिली थी कि ग्राम साराडीह क्षेत्र में अवैध शराब की खेप पहुंचाई जा

रही है। सूचना मिलते ही सुहेला पुलिस ने इलाके में घेराबंदी शुरू कर दी। जैसे ही तस्करों को पुलिस की भनक लगी, वे अपनी कार को तेज रफ्तार में भगाते हुए हाईवे और संकरी गलियों से फरार होने लगे। पुलिस टीम ने लगातार पीछा जारी रखा और करीब 15 किलोमीटर बाद आरोपियों की कार एक बंद गली में फंस गई। मौके का फायदा उठाकर पुलिस ने दोनों को दबोच लिया। तलाशी के दौरान कार से 50 पाव देशी मसाला शराब बरामद की गई, जिसकी कीमत करीब 5 हजार रुपये बताई जा रही है। पुलिस ने शराब तस्करी में इस्तेमाल कार को भी जब्त कर लिया है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान राहुल मिरी (26) और कुशल ध्रुव (23) के रूप में हुई है। प्रारंभिक पूछताछ में पुलिस को शराब तस्करी नेटवर्क से जुड़े कई अहम सुराग मिले हैं, जिनकी जांच जारी है। पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ अआबकारी अधिनियम की धारा 34(2) के तहत मामला दर्ज कर न्यायालय में पेश किया, जहां से उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

दर्दनाक सड़क हादसे में कार सवार युवती की मौत, दो गंभीर

श्रीकंचनपथ न्यूज

अंबिकापुर। सरगुजा जिला मुख्यालय अंबिकापुर के रिंग रोड स्थित भारत माता चौक में मंगलवार देर रात एक तेज रफ्तार मारुति स्विफ्ट कार अनियंत्रित होकर सड़क किनारे लगे लाइट पोल से टकरा गई। हादसा इतना भीषण था कि कार में सवार एक युवती की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि चालक सहित दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। दोनों घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद रायपुर रेफर किया गया है। मामला कोतवाली थाना क्षेत्र का है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, रात करीब 2:30 बजे अग्रसेन चौक की ओर से आ रही स्विफ्ट कार भारत माता चौक के पास अचानक अनियंत्रित हो गई और सीधे लाइट पोल से जा भिड़ी। टक्कर के बाद कार का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया।

घटना की सूचना मिलते ही कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को मेडिकल कॉलेज अस्पताल पहुंचाया। कार में सवार युवती की घटनास्थल पर ही मौत हो चुकी थी। मृतका की पहचान महामाया मंदिर क्षेत्र निवासी वर्षा कश्यप (19) के रूप में की गई है।

पुलिस के मुताबिक, कार चला रहा सागर बेहरा निवासी बौरीपारा तथा पीछे बैठा अलीसर अंसारी निवासी ग्राम कांति प्रकाशपुर गंभीर रूप से घायल हैं। दोनों की हालत चिंताजनक होने के कारण उन्हें रायपुर रेफर किया गया है। पुलिस ने बताया कि मृत युवती के परिजनों के नहीं पहुंच पाने के कारण पोस्टमॉर्टम की प्रक्रिया पूरी नहीं हो सकी है। परिजनों से संपर्क करने का प्रयास किया जा रहा है। प्रारंभिक जांच में तेज रफ्तार और लापरवाही को हादसे की मुख्य वजह माना जा रहा है।

नाबालिग को शादी का झांसा देकर किया अनाचार, आरोपी गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

कांकेर। जिले के चारामा थाना क्षेत्र में रहने वाली एक नाबालिग को गांव के ही युवक के द्वारा उसे शादी का झांसा देने के साथ ही उसे ब्लैकमेल कर उसके साथ जबरन अनाचार कर रहा था।

कांकेर जिले के चारामा थाना क्षेत्र में रहने वाली एक नाबालिग को गांव के ही युवक के द्वारा उसे शादी का झांसा देने के साथ ही उसे ब्लैकमेल कर उसके साथ जबरन अनाचार कर रहा था। इस मामले की रिपोर्ट नाबालिग ने अपने परिजनों के साथ थाने में दर्ज कराई। जहाँ पुलिस ने आरोपी को

गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया।

मामले की जानकारी देते हुए चारामा थाना प्रभारी ने बताया कि प्रार्थिया द्वारा 26 मई को थाना आकर मामला दर्ज कराते हुए बताइस की ग्राम आंवरी निवासी खिलेश्वर यादव द्वारा नाबालिग को शादी का झांसा देकर कई महीनों से उसके साथ अनाचार कर रहा था। इसके अलावा नाबालिग के परिवार वालों को प्रेम संबंध की जानकारी देने की बात को लेकर बार बार धमकी देकर उसे ब्लैकमेल भी कर रहा था। नाबालिग ने बताया कि आरोपी द्वारा 10 सितंबर 2025 से 15 नवंबर 2025 तक लगातार जबरन अनाचार करता रहा।

नाबालिग के रिपोर्ट के आधार पर पुलिस ने थाना चारामा में धारा 64, 64(2)(ड), 87 बीएनएस एवं 4, 6 पॉक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज कर जांच में लिया गया। मामले की रिपोर्ट दर्ज होते ही पुलिस ने आरोपी की पतासाजी करते हुए 24 घंटे के अंदर ही आरोपी को धरदबोचा और उसे न्यायालय में पेश किया गया।

राखड़ की आड़ में बीएसपी से लोहा चोरी, दो हाइवा समेत जखीरा जब्त

भिलाई। भिलाई स्टील प्लांट से लोहा चोरी करने वाले बड़े गिरोह का दुर्ग पुलिस ने भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने ग्राम अकलोरडीह स्थित एके ट्रेडर्स के यार्ड में छापा मारकर कई टन चोरी का लोहा और दो हाइवा वाहन जब्त किए हैं। पुलिस प्रवक्ता सत्य प्रकाश तिवारी के अनुसार, मुखबीर से सूचना मिली थी कि कुछ हाइवा वाहन राखड़ (फ्लाई ऐश) ले जाने की आड़ में प्लांट से लोहा चोरी कर रहे हैं। आरोपी पहले वाहनों में ब्लूम और कटे हुए लोहे के टुकड़े भरते थे, फिर ऊपर राखड़ डाल देते थे, ताकि सुरक्षा जांच में पकड़ में न आएं। चोरी का माल अकलोरडी स्थित यार्ड में डंप किया जा रहा था। छापे के दौरान पुलिस ने दो हाइवा वाहनों में राखड़ के नीचे छिपाकर रखा भारी मात्रा में लोहा बरामद किया।

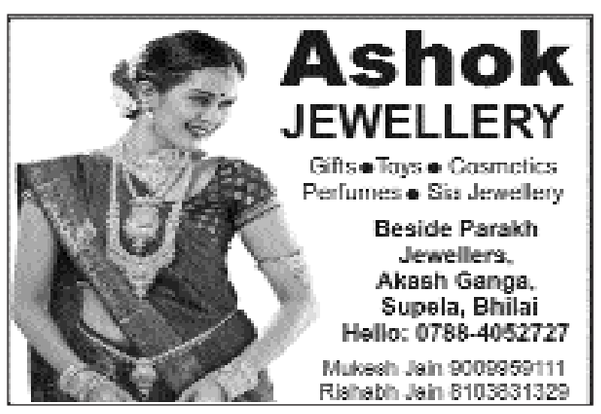

खास खबर

जिला पंचायतों को भी मिलेगा गौण खनिज निधि का हिस्सा : साय

रायपुर। छत्तीसगढ़ सरकार ने त्रिस्तरीय पंचायत व्यवस्था को और अधिक मजबूत बनाने की दिशा में बड़ा फैसला लेते हुए जिला पंचायतों को भी गौण खनिजों से प्राप्त रॉयल्टी राजस्व राशि में हिस्सा देने का आदेश जारी कर दिया है। राष्ट्रीय पंचायत दिवस के अवसर पर आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष रायपुर नवीन कुमार अग्रवाल ने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से जिला पंचायतों को भी गौण खनिज निधि का हिस्सा दिए जाने की मांग की थी। मुख्यमंत्री ने मंच से ही इस मांग को स्वीकार करते हुए घोषणा की थी, जिसका अब राज्य शासन द्वारा पालन कर दिया गया है। खनिज साधन विभाग द्वारा जारी आदेश के अनुसार गौण खनिजों से प्राप्त कुल राजस्व का 33 प्रतिशत हिस्सा पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग को पूर्ववत दिया जाएगा, जबकि शेष 67 प्रतिशत राशि का वितरण ग्राम पंचायत, जनपद पंचायत और जिला पंचायतों के बीच निर्धारित स्लैब के अनुसार किया जाएगा। जारी आदेश के तहत 7.50 लाख रुपये तक की राशि पूरी तरह ग्राम पंचायत को मिलेगी। 7.50 लाख से 10 लाख रुपये तक की राशि में 80 प्रतिशत ग्राम पंचायत, 10 प्रतिशत जनपद पंचायत और 10 प्रतिशत जिला पंचायत को दिया जाएगा। 10 लाख से 25 लाख रुपये तक की राशि में ग्राम पंचायत को 70 प्रतिशत तथा जनपद और जिला पंचायत को 15-15 प्रतिशत हिस्सा मिलेगा। इसी तरह 25 लाख से 50 लाख रुपये तक की राशि में ग्राम पंचायत को 60 प्रतिशत और जनपद व जिला पंचायत को 20-20 प्रतिशत हिस्सा दिया जाएगा। 50 लाख रुपये से अधिक की राशि में ग्राम पंचायत को 50 प्रतिशत तथा जनपद और जिला पंचायत को 25-25 प्रतिशत राशि मिलेगी। राज्य शासन ने निधि के उपयोग के दायरे का भी विस्तार किया है। अब इस राशि का उपयोग स्कूलों और अस्पतालों में रनिंग वाटर सुविधा, सामुदायिक शौचालय, मुक्तिधाम निर्माण, पहुंच मार्ग तथा वाचनालय निर्माण जैसे कार्यों में किया जा सकेगा। जिला पंचायतों को मिलने वाली राशि का उपयोग उन क्षेत्रों के विकास कार्यों में किया जाएगा जहां खनन गतिविधियों का प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है।

ग्रामीण विकास को मिलेगी नई रफ्तार

एक जुलाई से लागू होगी वीबी-जी-राम-जी, मिलेगा 125 दिन का गारंटीड रोजगार

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग द्वारा आगामी 1 जुलाई 2026 से विकसित भारत गारंटी फॉर रोजगार एंड आजीविका मिशन (ग्रामीण) अधिनियम-2025 (वीबी-जी-राम-जी मिशन) पूरे प्रदेश में लागू किया जाएगा। बलरामपुर जिले में इस महत्वाकांक्षी योजना के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए कलेक्टर चंदन संजय त्रिपाठी के मार्गदर्शन एवं जिला पंचायत सीईओ नयनतारा सिंह तोमर के नेतृत्व में व्यापक स्तर पर जन-जागरूकता अभियान शुरू कर दिया गया है।

केन्द्र सरकार द्वारा लाए जा रहे इस नए कानून के तहत अब प्रत्येक पात्र ग्रामीण परिवार को एक वित्तीय वर्ष में 125 दिनों के रोजगार की वैधानिक गारंटी मिलेगी, जबकि पूर्व में संचालित मनरेगा के तहत यह सीमा केवल 100 दिनों की थी। वीबी-जी-राम-जी मिशन का मुख्य उद्देश्य केवल मजदूरी देना नहीं, बल्कि ग्रामीण क्षेत्रों में स्थायी परिसंपत्तियों का निर्माण, जल संरक्षण, ग्रामीण अधोसंरचना विकास, आजीविका सुदृढ़ीकरण और जलवायु परिवर्तन से निपटने की क्षमता को मजबूत करना है।

ग्रामीण परिवार ग्राम पंचायतों के माध्यम से रोजगार के लिए आवेदन कर सकेंगे। आवेदन मिलने के 15 दिनों के भीतर काम देना अनिवार्य होगा। यदि निर्धारित 15 दिनों की समयावधि में प्रशासन रोजगार उपलब्ध नहीं करा पाता है, तो पात्र हितग्राही को नियमत: बेरोजगारी भत्ता दिया जाएगा। पारदर्शिता बढ़ाने के लिए श्रमिकों की मजदूरी राशि डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर के माध्यम से सीधे उनके बैंक या डाकघर खातों में भेजी जाएगी। योजना के तहत महिला श्रमिकों की अधिक से अधिक भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए विशेष नीतिगत प्रावधान किए गए हैं। सभी कार्यस्थलों पर श्रमिकों के लिए स्वच्छ पेयजल, छाया, प्राथमिक उपचार और छोटे बच्चों की देखभाल जैसी सुविधाएं अनिवार्य रूप से उपलब्ध रहेंगी।

वीबी-जी-राम-जी मिशन के तहत जल संरक्षण, बाढ़ नियंत्रण, ग्रामीण अधोसंरचना निर्माण, पशुपालन, मत्स्य विकास, आंगनबाड़ी भवन निर्माण, आपदा प्रबंधन और जलवायु अनुकूल कार्यों को प्राथमिकता दी जाएगी।

खेती से लेकर मछली पालन और लघु व्यवसाय कर बन गई लखपति दीदी

श्रीकंचनपथ समाचार

बलरामपुर। मछली पालन और छोटे व्यवसायों ने ग्रामीण भारत की महिलाओं को स्वरोजगार और शानदार सफलता की नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया है। इस क्षेत्र में सही जानकारी, प्रशिक्षण और सरकारी योजनाओं के जरिए महिलाएं और युवा आर्थिक रूप से मजबूत होकर दूसरों के लिए भी प्रेरणा बन रहे हैं।

जनपद पंचायत बलरामपुर के ग्राम महाराजगंज की निवासी एवं गुलाब महिला स्व-सहायता समूह की सदस्य उमा सिंह आज ग्रामीण महिलाओं के लिए प्रेरणा बनकर उभरी हैं। समूह से जुड़ने के बाद उमा ने चक्रीय निधि, सामुदायिक निवेश कोष तथा बैंक लिंकेज के माध्यम से कुल 85 हजार रुपये का ऋण लिया। उमा ने 2.5 एकड़ भूमि में धान एवं 1.5 एकड़ में मक्का की खेती की। साथ ही अपनी डबरी में मछली बीज डालकर मत्स्य पालन शुरू किया। कृषि कार्यों के अलावा वे प्रतिदिन शाम को महाराजगंज चौक में चना-चाट की दुकान भी संचालित करती हैं।

भीषण गर्मी में सतर्कता और संवेदनशीलता बरतें, बनें जरूरतमंदों का सहारा : मुख्यमंत्री

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने लगातार बढ़ रही गर्मी के मद्देनजर प्रदेशवासियों से सतर्कता, संवेदनशीलता और सामाजिक जिम्मेदारी के साथ इस चुनौतीपूर्ण समय का सामना करने की अपील की है। मुख्यमंत्री ने कहा है कि अत्यधिक गर्मी के इस दौर में प्रत्येक व्यक्ति को अपने स्वास्थ्य के साथ-साथ अपने आसपास के लोगों का भी विशेष ध्यान रखना चाहिए।

श्री साय ने पर्याप्त पानी पीने, बाहर निकलते समय पानी साथ रखने तथा अनावश्यक रूप से तेज धूप में जाने से बचने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि यदि संभव हो तो घर, दुकान, कार्यालय अथवा सार्वजनिक स्थानों के आसपास राहगीरों के लिए पीने के पानी की व्यवस्था करें। विशेष रूप से बच्चों, बुजुर्गों, श्रमिक साथियों तथा खुले में कार्य करने वाले लोगों का ध्यान रखें। किसी की तबीयत अचानक बिगड़ती दिखाई दे,

तो उसे तुरंत छायादार या ठंडी जगह पर ले जाकर पानी, ओआरएस अथवा अन्य तरल पदार्थ उपलब्ध कराए जाएं तथा आवश्यकता पड़ने पर चिकित्सकीय सहायता भी सुनिश्चित करें।

मुख्यमंत्री ने कहा कि घर, आंगन, छत, दुकान अथवा आसपास पानी का एक छोटा पात्र रखने जैसी छोटी पहल इस भीषण गर्मी में किसी जीव के लिए जीवनदायिनी साबित हो सकती है। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने कहा कि यह समय सेवा, संवेदना, सजगता और सामाजिक सहयोग की भावना को मजबूत करने का है।

पर्याप्त पानी पीएं और सुरक्षित रहें: वित्त मंत्री चौधरी

वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने प्रदेशवासियों से भीषण गर्मी के दौरान विशेष सावधानी बरतने और पर्याप्त मात्रा में पानी पीने की अपील की है। वित्त मंत्री ने कहा कि गर्मी के मौसम में शरीर को हाइड्रेटेड रखना बेहद जरूरी है। लोग अधिक से अधिक पानी पीएं, धूप में निकलने से बचें और जरूरी होने पर ही घर से बाहर निकलें। उन्होंने कहा कि छोटे बच्चों, बुजुर्गों और बीमार लोगों का विशेष ध्यान रखें। उन्होंने कहा कि इस समय संवेदनशीलता और करुणा के साथ अपने आसपास के लोगों की भी चिंता करना जरूरी है। यदि कोई व्यक्ति गर्मी से परेशान दिखाई दे तो उसकी मदद करें और जरूरत पड़ने पर चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराएं। स्वास्थ्य विभाग द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का पालन करें और सुरक्षित रहें।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की पहल पर वृद्ध दंपति को फिर मिला अपनों का सहारा

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण (डीएलएसए) सूरजपुर की सकारात्मक पहल ने एक बिछड़े वृद्ध दंपत्ति को फिर से अपने परिवार से मिला दिया।

जिला कोरिया के थाना पटना क्षेत्र निवासी वृद्ध दंपत्ति शंकर प्रसाद और उनकी पत्नी ने जीवनभर अपने भाइयों के बच्चों को ही अपनी संतान मानकर स्नेह और जिम्मेदारियों के साथ उनका पालन-पोषण किया। लेकिन समय के साथ उपजे पारिवारिक मतभेदों ने उन्हें अपनों से दूर कर दिया। परिस्थितियां ऐसी बनीं कि उन्हें अपना घर छोड़कर सूरजपुर के तिलसिवा स्थित 'स्नेह सम्बल वृद्धाश्रम' में आश्रय लेना पड़ा।

25 मई को जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सूरजपुर की सचिव पायल टोपनो ने वृद्धाश्रम का

आकस्मिक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान जब उन्होंने इस बुजुर्ग दंपत्ति की पीड़ा और उनकी परिस्थितियों को जाना, तो मानवीय संवेदनाओं के साथ तत्काल पहल की। प्राधिकरण द्वारा परिवारजनों से संपर्क स्थापित कर उन्हें वरिष्ठजनों के प्रति कानूनी दायित्वों के साथ-साथ नैतिक जिम्मेदारियों के बारे में समझाइश दी गई।

प्राधिकरण की सार्थक काउंसिलिंग का असर यह हुआ कि शंकर प्रसाद के छोटे भाई कृष्णा, उनकी पत्नी सुमित्रा और पुत्र स्वयं वृद्धाश्रम पहुंचे तथा बुजुर्ग दंपत्ति को ससम्मान अपने घर ले जाने की सहमति जताई। वर्षों बाद अपनों को सामने देखकर वृद्ध दंपत्ति की आंखों में छलक आई खुशी और संतोष ने वहां मौजूद हर व्यक्ति को भावुक कर दिया।

इस अवसर पर तृतीय अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश डायमंड कुमार गिलहरें तथा व्यवहार न्यायाधीश हिमांशी सर्राफ विशेष रूप से उपस्थित रहीं।

108 संजीवनी एक्सप्रेस में हुआ सुरक्षित प्रसव

श्रीकंचनपथ समाचार

बेमेतरा। 108 एम्बुलेंस कर्मियों की तत्परता, सूझबूझ एवं संवेदनशीलता से एक गर्भवती महिला का एम्बुलेंस में ही सुरक्षित प्रसव कराया गया। वर्तमान में जच्चा और बच्चा दोनों स्वस्थ हैं।

जिले के ग्राम आनंदगांव निवासी श्रीमती मानसी, पति दीपक, उम्र 24 वर्ष को गर्भावस्था संबंधी जटिलता होने पर जिला चिकित्सालय बेमेतरा में भर्ती कराया गया था। महिला की स्थिति को देखते हुए चिकित्सकों ने उन्हें मेकाहारा रायपुर रेफर किया। 108 संजीवनी एक्सप्रेस पायलट नीलमणि एवं ईएमटी कलावती गायकवाड़ जिला चिकित्सालय पहुंचे और गर्भवती को लेकर रायपुर रवाना हुए।

रायपुर पहुंचने से पहले धरसीवां के आसपास महिला को अचानक तेज प्रसव पीड़ा शुरू हो गई। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए ईएमटी कलावती गायकवाड़ ने परिजनों की सहमति एवं पायलट नीलमणि के सहयोग से एम्बुलेंस

में ही प्रसव कराने का निर्णय लिया। ईएमटी द्वारा सभी आवश्यक चिकित्सकीय प्रक्रियाओं एवं सावधानियों का पालन करते हुए सुरक्षित प्रसव कराया गया। कुछ ही देर में महिला ने एक स्वस्थ शिशु को जन्म दिया।

सुरक्षित प्रसव के बाद जच्चा एवं नवजात शिशु को बेहतर देखभाल हेतु मेकाहारा रायपुर में भर्ती कराया गया, जहां दोनों स्वस्थ बताए जा रहे हैं। परिजनों ने विपरीत परिस्थितियों में तत्परता एवं मानवता का परिचय देते हुए सुरक्षित प्रसव कराने पर 108 संजीवनी एक्सप्रेस टीम, ईएमटी कलावती गायकवाड़ एवं पायलट नीलमणि का आभार व्यक्त किया।

देवकी एवं सावित्री कमार को मिला आयुष्मान कार्ड

गरियाबंद। जिले के छुरा विकासखंड में आयोजित जनसमस्या निवारण शिविर में ग्राम पंचायत घटकर्रा के आश्रित ग्राम नागझर की श्रीमती देवकी बाई एवं श्रीमती सावित्री कमार को राजिम विधायक रोहित साहू के द्वारा आयुष्मान कार्ड प्रदान किया गया। अब दोनों हितग्राहियों को आयुष्मान भारत योजना के तहत 5 लाख रुपये तक की नि:शुल्क उपचार सुविधा प्राप्त हो सकेगी। ग्रामीण और आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के लिए गंभीर बीमारी की स्थिति में उपचार कराना अक्सर चुनौतीपूर्ण होता है। देवकी एवं सावित्री भी पात्र थीं, लेकिन दस्तावेजी प्रक्रिया एवं जानकारी के अभाव में आयुष्मान कार्ड नहीं बन पाया था।

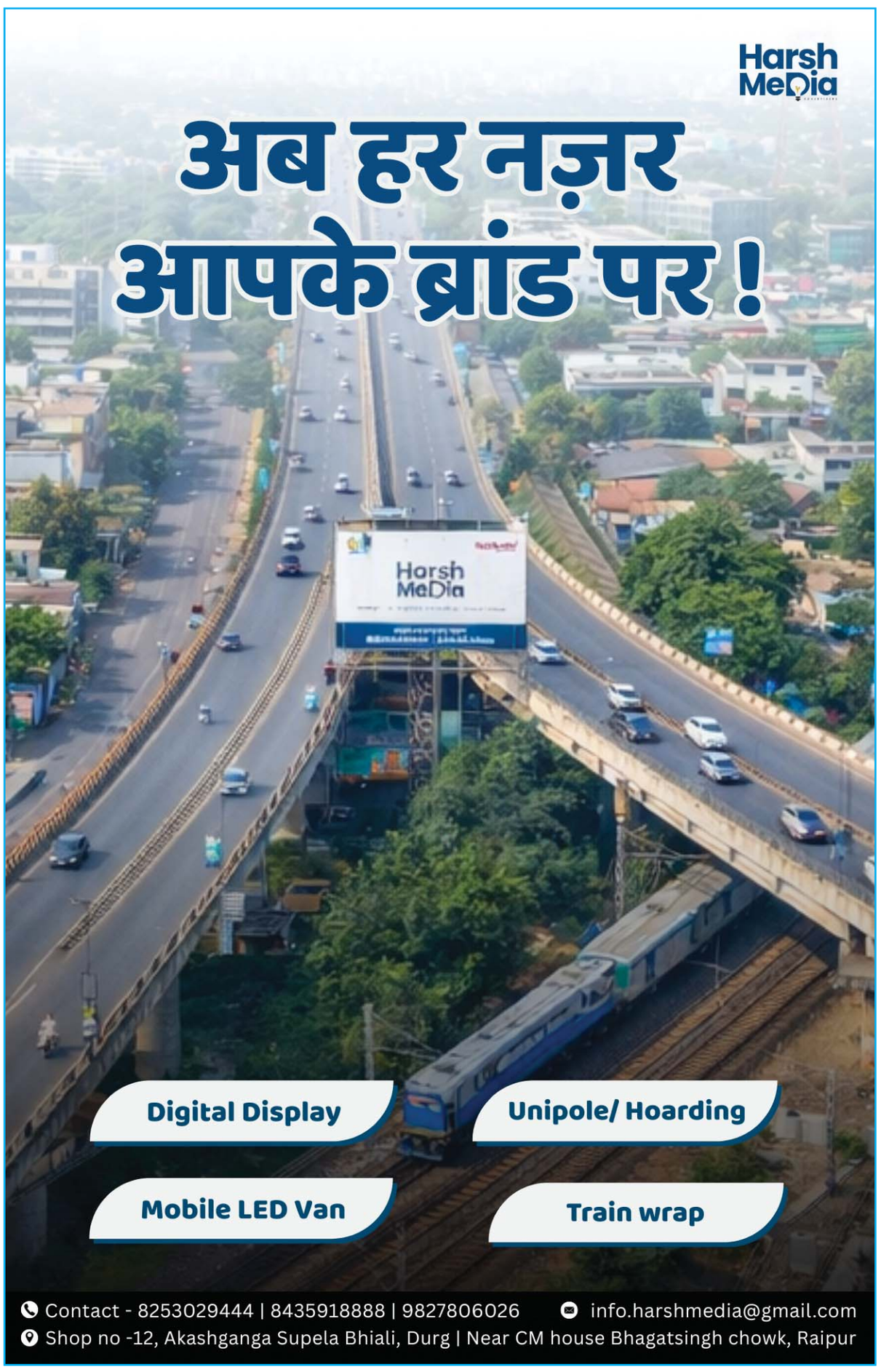

ज्ञानभारतम् : दंतेवाड़ा में मिले प्राचीन शिलालेखों और पांडुलिपियों ने खोले गौरवशाली अतीत के द्वार

समलूर, बारसूर और दंतेश्वरी मंदिर में मिले 11वीं से 13वीं शताब्दी के दुर्लभ साक्ष्य

श्रीकंचनपथ समाचार

दंतेवाड़ा। भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय द्वारा संचालित ज्ञानभारतम् मिशन के तहत छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा जिले में भारतीय ज्ञान परंपरा और सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण की दिशा में एक बड़ी और ऐतिहासिक सफलता हाथ लगी है। जिले में व्यापक सर्वेक्षण के दौरान कई अत्यंत महत्वपूर्ण प्राचीन शिलालेख और दुर्लभ पांडुलिपियां खोजी गई हैं।

वन एवं जिले के प्रभारी मंत्री केदार कश्यप ने इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर दंतेवाड़ा जिला प्रशासन की पूरी टीम को बधाई दी है। उन्होंने कहा कि यह बस्तर की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को सहेजने की दिशा में एक बहुत बड़ी पहल है, जिससे आने वाली पीढ़ियों को अपनी ऐतिहासिक जड़ों को गहराई से समझने का अवसर मिलेगा।

दंतेवाड़ा कलेक्टर देवेश कुमार ध्रुव के निर्देशन में जिले में इस मिशन का जमीनी स्तर पर प्रभावी क्रियान्वयन किया जा रहा है। जिला नोडल अधिकारी एवं एसडीएम के नेतृत्व में मास्टर ट्रेनर्स, विकासखंड स्तरीय नोडल अधिकारियों और संकुल स्तर के शिक्षकों की एक विशेष टीम लगातार जिले के ऐतिहासिक एवं धार्मिक स्थलों का गहन सर्वेक्षण कर रही है।

सर्वेक्षण दल को अब तक 5 प्राचीन शिलालेख और 2 महत्वपूर्ण पांडुलिपियां प्राप्त हो चुकी हैं, जिनमें समलूर के शिव मंदिर में 11वीं शताब्दी का एक दुर्लभ तेलुगु शिलालेख और इसी कालखंड का एक देवनागरी शिलालेख मिला है। इसके अलावा मंदिर परिसर से ही 18वीं से 20वीं शताब्दी के मध्य की देवनागरी लिपि में लिखित एक प्राचीन पांडुलिपि भी बरामद हुई है। बारसूर का मामा-भांजा मंदिर ऐतिहासिक दृष्टि से प्रसिद्ध इस मंदिर से 1060 से 1068 ईस्वी कालखंड का एक बेहद महत्वपूर्ण तेलुगु शिलालेख मिला है। दंतेश्वरी मंदिर (दंतेवाड़ा) में 13वीं शताब्दी के प्रारंभिक काल के दो प्राचीन शिलालेख मिले हैं।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950